

# द अचीवर टाइम्स



डाक पंजीयन संख्या  
एस.एस.पी.एल.डब्ल्यू/एन  
पी.439/2015-2017

वर्ष : 9 अंक : 242  
पृष्ठ : 8 मूल्य : ३ रुपये

लखनऊ, सोमवार, 25 दिसम्बर, 2023

## एक नज़र

पहली शिला तराशने वाले कारीगर रामलला के खास मेहमान



**अयोध्या।** राम मंदिर की पहली शिला तराशने वाले मुख्य कारीगर अन्नूभाई सोमपुरा भी रामलला के खास मेहमान होंगे। राम मंदिर ट्रस्ट ने उनके विशिष्ट योगदान को देखते हुए आमंत्रित किया है। अब वह भी देश के चुनिंद विशिष्टजनों की श्रेणी में शामिल हो गए। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह के साक्षी बनेंगे। राम मंदिर के मुख्य वास्तुकार चंद्रकांत सोमपुरा के कहने पर वह वर्ष 1990 में 45 वर्ष की आयु में अहमदाबाद से अयोध्या आए। इनके साथ पुत्र प्रकाश सोमपुरा और भाई प्रदीप सोमपुरा भी आए। तब से अन्नूभाई अयोध्या के ही होकर रहे गए। यहां आने के बाद अपने भाई और बेटे के साथ इन्होंने प्रस्तावित राम मंदिर के लिए शिलाओं को तराशने का काम शुरू कर दिया। इस तरह राम मंदिर की पहली शिला इन्हीं के हाथों से तराशी गई। यहां आने के बाद इन्हें राम मंदिर आंदोलन के नायक और विहिष सुप्रियो रहे अशोक सिंहल के कहने पर रहने का ठौर मिला। मौजूदा समय में राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास ने मणिगाम दास छवनी आश्रम में रहने के लिए एक कमरा दिया। मौजूदा समय में जहां पर रामजन्मभूमि न्यास मंदिर निर्माण कार्यशाला है, तब वहां चारों तरफ जंगल हुआ करता था। इन्होंने सिर्फ दो शिलाओं से मंदिर निर्माण के लिए पत्थरों की तराशी का काम बिना किसी मशीन के हाथों से ही छेनी के सहारे शुरू किया। फिर धीरे-धीरे कार्यशाला में कारीगरों की संख्या बढ़ती गई। यहां पर गुजरात, राजस्थान, मिर्जापुर और अयोध्या के करीब 150 कारीगर काम कर रहे हैं। वर्ष 1996 में पहली बार शिलाओं को काटने के लिए मशीन आई। फिर इसकी मदद से पत्थरों को तराशने का काम आगे बढ़ता गया। नौ नवंबर वर्ष 2019 को सुप्रीम कोर्ट (अ) की रहने वाली थी। दोनों महिलाएं भीड़ के दबाव में अपने परिजनों से बिछड़ गई थीं। तबियत बिगड़ने से मौत होने की पुष्टि पुलिस द्वारा की गई है। परिजन बिना पोस्टमार्टम करए शव लेकर चले

## खेल मंत्रालय ने डब्ल्यूएफआई को किया सस्पेंड

### बृजभूषण सिंह का संन्यास, पद्मश्री वापस ले सकते हैं बजरंग पूनिया

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्र ने नवनिर्वाचित भारतीय कुश्ती महासंघ को निलंबित कर दिया है। नए अध्यक्ष संजय सिंह द्वारा अंडर-15 और अंडर-20 राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं गोंड में कराने की घोषणा के बाद खेल मंत्रालय ने यह कदम उठाया है। खेल मंत्रालय के इस कदम का शीर्ष एथलीटों ने स्वागत किया है तो दूसरी ओर भाजपा सांसद बृज भूषण शरण सिंह ने कुश्ती से संन्यास का एलान किया है। साथ ही इस पूरे घटनाक्रम के बाद पहलवान बजरंग पूनिया अपना पद्मश्री वापस ले सकते हैं।



**पद्म श्री पुरस्कार लौटाने वाले बजरंग पूनिया ने सरकार के फैसले को सही ठहराया है और कहा है कि वह अपना सम्मान वापस ग्रहण करेंगे। वहीं, विनेश ने भी कहा है कि उनकी लड़ाई सरकार के खिलाफ नहीं थी। यह फैसला खिलाड़ियों के हित में है।**

संहिता की पूरी तरह से उल्लंघन करते हुए पूर्व पदाधिकारियों के नियंत्रण प्रतीत होता है। केंद्र सरकार ने इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन को कुश्ती संघ चलाने के लिए पैलन बनाने का निर्देश दिया है। नवनिर्वाचित संस्था ने पहलवानों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय दिए बिना अंडर-15 और अंडर-20 राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आयोजन की 'जल्दबाजी में घोषणा की थी। बृजभूषण शरण सिंह ने फेडरेशन

को सस्पेंड किए जाने पर ऐतराज जताते हुए अपने संन्यास की घोषणा की। बृजभूषण शरण सिंह ने कहा, मैं कुश्ती संघ से संन्यास ले चुका हूं। अब सरकार के फैसले पर जो भी बात करनी होगी, वो नई फेडरेशन करेगी। मेरा इससे कोई लेना-देना नहीं है। मैं सांसद हूं और अपने काम पर फोकस करूंगा।

डब्ल्यूएफआई की नवनिर्वाचित संस्था को खेल मंत्रालय द्वारा निलंबित किये जाने के बाद यहां फोगाट खाप पंचायत ने पहलवानों को न्याय दिलाने के लिए एक बैठक की और कहा कि अपार खिलाड़ियों के साथ ज्वादाती हुई तो खाप उनके पक्ष में अग्रणी भूमिका निभायेगी। फोगाट खाप ने सरकार से खेल महासंघ के अध्यक्ष पद पर न सिर्फ खिलाड़ी की नियुक्ति करने बल्कि महिला खिलाड़ियों की कोच महिला ही नियुक्त करने की मांग की। रविवार

## यह बेटियों और बहनों की लड़ाई है: साक्षी मलिक

एजेंसी

**नई दिल्ली।** भारतीय कुश्ती संघ के विवाद में अब सरकार ने हस्तक्षेप किया है। खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती संघ को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया है। संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजय सिंह ने जो फैसले लिए थे, उन्हें भी रद्द कर दिया है। संजय कुमार सिंह को जिस दिन अध्यक्ष चुना गया था उसी दिन उन्होंने घोषणा की थी

कि कुश्ती के लिए अंडर-15 और अंडर-20 राष्ट्रीय मुकाबले नदिनी नगर, गोंडा (यूपी) में होंगे। खेल मंत्रालय के निलंबन पर पहलवान साक्षी मलिक की प्रतिक्रिया भी आ गई है। साक्षी ने कहा कि यह फैसला पहलवानों के हित में है। हम पहले ही कहते रहे हैं कि यह बेटियों और बहनों की लड़ाई है। यह पहला कदम है। अपने संन्यास से वापसी पर



उन्होंने कहा कि नए कुश्ती संघ के आने के बाद वह इस बारे में फैसला करेंगी। उन्होंने आगे कहा कि अब तक लिखित रूप में यह साफ नहीं हुआ है कि कुश्ती संघ को निलंबित किया गया है या सिर्फ संजय सिंह को हटाया गया है। यह साफ होने के बाद ही वह कुछ कहेंगी। उन्होंने आगे कहा कि वह संन्यास का एलान कर चुकी हैं और युवा पहलवानों के लिए न्याय चाहती हैं। भविष्य में स्थिति साफ होने पर वह अपने संन्यास से वापसी के फैसले पर विचार करेंगी।

को चरखी दादरी के स्वामी दयाल धाम पर फोगाट खाप की कार्यकारिणी बैठक प्रधान बलवंत नंरदार की अध्यक्षता में हुई। डब्ल्यूएफआई चुनाव के फैसले आने के तुरंत बाद साक्षी, बजरंग और

विनेश फोगाट ने प्रेस कांफ्रेंस की थी। इसमें साक्षी ने कुश्ती से संन्यास लेने का फैसला किया था। वहीं पूनिया ने एक दिन बाद 'एक्स पर बयान जारी कर कहा, 'मैं अपना पद्मश्री सम्मान प्रधानमंत्री को वापस लौटा रहा हूं।

कहने के लिए बस मेरा यह पत्र है। यही मेरा बयान है। हालांकि समाचार एजेंसी ANI के मुताबिक, बृजभूषण सिंह के संन्यास के बाद पहलवान बजरंग पूनिया ने भी पद्मश्री सम्मान वापस लेने की बात कही है।

## कांग्रेस की नई टीम में हो सकते है अभी और बड़े बदलाव

एजेंसी

**गांधीनगर।** पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस ने अब रणनीतिक तौर पर कमर कस ली है। जिस तरीके से पार्टी ने संगठनात्मक स्तर पर व्यापक फेरबदल करते हुए बड़े-बड़े नेताओं को नई जिम्मेदारियां दी हैं। उससे अनुमान यही लगाया जा रहा है कि आने वाले दिनों में पार्टी और आक्रामक तरीके से अपने अन्य नेताओं को बड़ी जिम्मेदारियां देकर लोकसभा चुनाव के लिहाज से मजबूत फील्डिंग सजाएगी। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस पार्टी ने तय किया है जिन राज्यों में हाल में विधानसभा के चुनाव हुए हैं वहां नया नेतृत्व ही स्थापित का आगे बढ़ाएगा। इसके लिए शुरुआत मध्य प्रदेश से हुई थी। लेकिन अब राजस्थान में भी जल्द ही इसका असर दिखना शुरू हो जाएगा। जिस तरह से अशोक गहलोत को राष्ट्रीय गठबंधन और सचिन को प्रभारी महासचिव बनाया गया है उससे तय हो गया कि अब राजस्थान में नया नेतृत्व मिलेगा। वहीं कांग्रेस पार्टी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी अभी और कई बड़े फैसले ले सकती है। कांग्रेस की नई जिम्मेदारियों के साथ पार्टी ने स्पष्ट



**कांग्रेस पार्टी अगले कुछ दिनों में राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट को राष्ट्रीय स्तर पर जिम्मेदारी देने के बाद नए नेतृत्व पर दांव लगाएगी। पार्टी ने जिस तरह से इस बदलाव में उदयपुर चिंतन शिविर की योजनाओं और व्यवस्थाओं को लागू किया है उससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि आने वाले दिनों में पार्टी युवाओं पर दांव लगाएगी।**

संदेश दे दिया है कि लोकसभा चुनाव में उनकी क्या रणनीति रहने वाली है। कांग्रेस पार्टी से जुड़े एक वरिष्ठ नेता बताते हैं कि जिस तरीके से सचिन पायलट को प्रभारी महासचिव बना कर छत्तीसगढ़ की जिम्मेदारी दी गई है उससे स्पष्ट संकेत है कि सचिन पायलट का अब केंद्रीय फलक पर इस्तेमाल किया जाना है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर राष्ट्रीय गठबंधन समिति का हिस्सा बनाया गया है। वह भी संदेश है कि उनका राज्य से बाहर निकाल कर एक नई भूमिका में भेजा गया है। कांग्रेस पार्टी अगले कुछ दिनों में राजस्थान में इन दो नेताओं को राष्ट्रीय

कुछ अन्य राज्यों में भी राज्य कार्यकारिणी में फेरबदल किया जा सकता है। इसके अलावा कांग्रेस की कुछ अन्य महत्वपूर्ण विंग में भी बड़े स्तर पर बदलाव का अनुमान लगाया जा रहा है। जिसमें न सिर्फ युवक कांग्रेस और महिला सभा भी शामिल है। हालांकि इन सभी संगठनों में बड़े स्तर पर कब तक बदलाव होगा इसकी कोई जानकारी तो पार्टी की ओर से नहीं दी गई है। लेकिन सूत्रों की मानें तो जल्द ही बदलाव हो सकेगा।

कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता पीएल पुनिया कहते हैं कि जिस तरीके से प्रियंका गांधी ने हाल के चुनाव में आक्रामक रणनीति और उसके सफल परिणाम का आधार तय किया है इस आधार पर पार्टी ने उनको समूचे देश के लिए बड़ी जिम्मेदारी दी है। वह कहते हैं कि आने वाले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की व्यापक रणनीति हर स्तर पर न सिर्फ सफल होने वाली है। बल्कि नेतृत्व के लिहाज से पार्टी युवाओं को और वरिष्ठों के साथ ताजमाल कर आगे बढ़ रही है। पार्टी के नेता मानते हैं कि कांग्रेस पार्टी ने जिस तरीके से पांच राज्यों के चुनाव के बाद व्यापक फेर बदल और नई जिम्मेदारियों के साथ पूरी टीम तैयार की है वह आने वाले चुनाव की पूरी रणनीति बताती

## खेल मंत्रालय के फैसले से भाजपा सांसद बृजभूषण के खेमे में मायूसी

एजेंसी

**लखनऊ।** कल तक दबदबा का दावा कर खुशियां मनाते वाले बृजभूषण समर्थकों की आवाज तीसरे दिन दब गई। केंद्रीय खेल मंत्रालय की ओर से भारतीय कुश्ती महासंघ की नई कमेटी के निलंबन की खबर रविवार को जिलेभर में आग की तरह फैल गई। जिससे भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खेमे में एक बार फिर मायूसी छ गी। आननफानन दबदबा तो है, दबदबा रहेगा...ये भगवान की देन है श्लोशन लिखे पोस्टर और होडिंग उतारे जाने लगे। ये वही पोस्टर हैं जिनका प्रदर्शन सांसद के विधायक बेटे प्रतीक भूषण शरण सिंह ने भी खुलेआम किया था। गाडियों से भी दबदबा वाले स्टीकर हटा दिए गए। इससे इतर विपक्षी दलों के पदाधिकारियों ने भाजपा सांसद को आश्चर्य न करने की नसीहत देते हुए इसे सत्य की जीत बताया। खेल मंत्रालय के फैसले से सांसद समर्थक हैरान हैं, जबकि कुश्ती महासंघ का विवाद एक बार फिर गहराता नजर आ रहा है।



बृजभूषण शरण सिंह के करीबी संजय सिंह बबलू की दो दिन पूर्व एकतरफा जीत हुई थी। परिणाम आने के बाद दिल्ली से लेकर गोंडा तक उनके अतिउत्साहित समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह मिर्चई बॉटकर खुशियां मनाईं। दिल्ली से उनका काफिला चला और लखनऊ व अयोध्या के बाद गोंडा पहुंचा। शनिवार को नवाबगंज के नंदिनीनगर स्पोर्ट्स स्टेडियम में चल रहे सांसद खेल स्पर्धा के फाइनल मुकाबले में खिलाड़ियों को पुरस्कृत भी किया। इसके बाद मॉडिया से बात करते हुए डब्ल्यूएफआई के नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजय सिंह ने दावा कि कुश्ती की बेहतरि के लिए खजाना खोल दिया जाएगा। पहलवानों के विवाद से कोई

लेना-देना नहीं और न ही मैं डमी कैंडीडेट हूं। आगामी 28 दिसंबर से नेशनल कुश्ती चैंपियनशिप के आगाज का एलान कर दिया। उन्होंने कहा कि नंदिनीनगर स्पोर्ट्स स्टेडियम में तीन दिवसीय चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। नए अध्यक्ष फीता काटकर चैंपियनशिप का शुभारंभ करने का सपना देख ही रहे थे तब तक खेल मंत्रालय का फैसला आ गया। जिससे दबदबा का दावा कर बुलंद करने वाली हर आवाज खामोश हो गई। इधर, विश्रनोहरपुर से लेकर अयोध्या और देवीपाटन मंडल में उनके समर्थक पटाखे फोड़कर खुशियां जाहिर कर ही रहे थे कि अचानक रविवार की सुबह केंद्रीय खेल मंत्रालय का फैसला उनके लिए शॉकिंग साबित हुआ।

## श्रद्धा के सैलाब में दर्दनाक हादसा बांके बिहारी के दर्शन को आई दो महिलाओं की मौत



**पुलिस-प्रशासन कहां है आपकी व्यवस्था...?** गए। वहीं, चार लाख से अधिक श्रद्धालु बांके बिहारी के दर्शन को पहुंचे। पुलिस-प्रशासन की व्यवस्था ध्वस्त हो गई। एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय गण। वहीं, चार लाख से अधिक श्रद्धालु बांके बिहारी के दर्शन को पहुंचे। पुलिस-प्रशासन की व्यवस्था ध्वस्त हो गई। एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय गण। वहीं, चार लाख से अधिक श्रद्धालु बांके बिहारी के दर्शन को पहुंचे। पुलिस-प्रशासन की व्यवस्था ध्वस्त हो गई। एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय गण।

मध्य प्रदेश व छह परिजनों के साथ दर्शन कर लौट रही थीं। तभी वह भीड़ के चलते बिछड़ गईं। बेटे रागिनी उनके साथ थी। अन्य परिजनों के इंतजार में मंजू मिश्रा धर्मशाला के पास ही बैठ गईं। तभी उनकी तबीयत बिगड़ी और अचेत हो गईं। पुलिस रामकिशन मिशन अस्पताल लेकर पहुंची। वहां डॉक्टरों मृत घोषित कर दी गईं। वहीं, शनिवार, रविवार को सप्ताहांत और सोमवार को क्रिसमस की छुट्टी के कारण श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रविवार को वृंदावन में श्रृंवांके बिहारी के दर्शन को उमड़ी। करीब चार लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। भीड़ के चलते पुलिस-प्रशासन की व्यवस्थाएं ध्वस्त हो गईं। रेलिंग तोड़ दी गईं। पुलिस कर्मी भीड़ नियंत्रण में पसीने छोड़ गए। इधर, वृंदावन के मार्गों पर डेढ़ से दो कीर्मी लंबा जाम लग गया।

## लोक सभा चुनाव के लिए पीएम मोदी ने दिया 50प्रतिशत का लक्ष्य



**एजेंसी** से शुरू होगा। पार्टी के युवा मोर्चा को भी सम्मेलन की शुरुआत करने के निर्देश मिले हैं, जो 24 जनवरी से आयोजित होंगे। देश भर में 5000 सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी लगातार इस कोशिश की जा रही है कि देश भर में सामाजिक सम्मेलनों के आयोजन के जरिए भी मतदाताओं को साधने की कोशिश की जाएगी। गौरतलब है कि विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इक्लूस्विव एलाइंस और भारतीय जनता पार्टी के बीच वर्ष 2024 में सीधी लड़ाई होने की संभावना है जिसे देखते हुए पार्टी ने फैसला किया है कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा के वोट प्रतिशत को 10वें अधिक करने का लक्ष्य हासिल किया जाए। देशभर की लोकसभाओं को बांटा जाएगा जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा जनसभाओं को संबोधित करेंगे। लोकसभा चुनाव को लेकर बैठकों का दौर 15 जनवरी के बाद

## देशभर में कोविड-19 के 334 नए मामले केरल में 128 केस, एक की मौत

एजेंसी

**नई दिल्ली।** पिछले 24 घंटों में केरल में एक की मौत के साथ तीन साल में मरने वालों की संख्या अब बढ़कर 72,063 हो चुकी है। वहीं इस दौरान 296 मरीजों को या तो अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है या फिर वे पूरी तरह से ठीक हो चुके हैं। इसके साथ ही अबतक राज्य में कुल मामलों की संख्या बढ़कर 68,38,282 हो चुकी है। मंगलवार को केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि राज्य में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच लोगों को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि अस्पताल इस संक्रमण से लड़ने के लिए पूरी तरह से सुसज्जित हैं।



आंकड़ों के अनुसार देश में 334 सक्रिय मामले हैं, जिसमें 128 मामले केरल के हैं। इसी के साथ राज्य में सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 3,000 हो गई है। पिछले 24 घंटों में केरल में एक की मौत के साथ तीन साल में मरने

वालों की संख्या अब बढ़कर 72,063 हो चुकी है। वहीं इस दौरान 296 मरीजों को या तो अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है या फिर वे पूरी तरह से ठीक हो चुके हैं। इसके साथ ही अबतक राज्य में कुल मामलों की संख्या बढ़कर 68,38,282 हो चुकी है। मंगलवार को केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि राज्य में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच लोगों को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि अस्पताल इस संक्रमण से लड़ने के लिए पूरी तरह से सुसज्जित हैं।

## तोशाखाना मामले में इमरान खान को नहीं मिली राहत

एजेंसी

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब तोशाखाना मामले में इमरान खान को सुप्रीम कोर्ट से भी राहत नहीं मिली है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने इमरान खान की याचिका वापस लौटा दी है। इमरान खान ने तोशाखाना मामले में अपनी जेल की सजा रद्द करने की मांग की थी। हालांकि फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने इमरान को राहत देने

से इनकार कर दिया है। इमरान खान की तरफ से उनके वकील लतीफ खोसा ने पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 185 के तहत सजा रद्द करने की अपील की थी। इस पर शनिवार को सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार ऑफिस ने याचिका को वापस लौटा दिया। याचिका में 11 दिसंबर 2023 को इस्लामाबाद हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी। बता दें कि इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने भी इमरान खान की सजा माफ की थी।

हाईकोर्ट ने भी याचिका खारिज कर दी थी।

**युवना**  
समस्त देशवासियों एवं प्रदेशवासियों को क्रिसमस डे की शुभकामनाएं। क्रिसमस डे के अवसर पर दिनांक 25.12.2023 को कार्यालय में अवकाश रहेगा अतः समाचार पत्र का अगला अंक दिनांक 27.12.2023 को प्रकाशित होगा।

आज्ञा से समाचार प्रबंधक





## एस.जी.पी.जी.आई. लखनऊ के नेफ्रोलॉजी विभाग ने किडनी रोग में पोषण संबंधी हस्तक्षेप स्वस्थ जीवन पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया

द अचीवर टाइम्स रघुनाथ सिंह

लखनऊ। सजीपीजीआई एम एस, लखनऊ के नेफ्रोलॉजी विभाग ने किडनी रोग में पोषण संबंधी हस्तक्षेप - स्वस्थ जीवन के लिए एक सुरक्षित हथियार विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया। यह सम्मेलन 23 और 24 दिसंबर 2023 को होटल सेंट्रम में आयोजित किया गया था। सम्मेलन का उद्देश्य उन पोषण विशेषज्ञों को पढ़ाना और जागरूक करना था जो आहार और पोषण पर कुछ प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए जा रहे थे। लगभग 300 से अधिक प्रतिनिधियों आहार विशेषज्ञ और पोषण विशेषज्ञों ने भाग लिया। यह उपचार करने वाले नेफ्रोलॉजिस्ट और आहार विशेषज्ञ के बीच बातचीत करने का अच्छा मंच था। आहार निर्धारित करने वाले दो समूहों, चिकित्सकों और आहार विशेषज्ञों के बीच ज्ञान का बड़ा अंतर है। नेफ्रोलॉजी अभ्यास में औषधि के रूप में आहार की अवधारणा को इसी विषय पर अपने भाषण के दौरान



इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी के अध्यक्ष प्रोफेसर विवेकानंद झा द्वारा चर्चा में लाया गया था। उद्घाटन समारोह के दौरान एसजीपीजीआईएमएस के निदेशक प्रोफेसर आरके धीमान, जो खुद एक हेपेटोलॉजिस्ट हैं, ने गुर्दे की विफलता और यकृत की विफलता वाले रोगियों में एक साथ आहार समायोजन की आवश्यकता के बारे में बताया।

कब्ज हेपेटिक एन्सेफेलेपैथी को कैसे बढ़ा सकता है? सीकेडी के रोगियों के आहार में फाइबर, संपूर्ण आहार के रूप में विटामिन और खनिजों के महत्व पर भी चर्चा की गई। नेफ्रोलॉजी विभाग के अध्यक्ष और प्रमुख प्रो. नारायण प्रसाद ने क्रोनिक किडनी रोग के रोगियों में आहार और प्रोटीन प्रतिबंध और कुपोषण के बीच संतुलन बनाने के

महत्व पर जोर दिया, एक दिन में प्रोटीन <0.6 से 0.8 ग्राम/किलोग्राम प्रोटीन की कमी हो सकती है। कुपोषण, सीरम क्रिएटिनिन जो मांसपेशियों के चयापचय का चयापचय उत्पाद है, मांसपेशियों में कमी और सैक्रोपेनिया के साथ कम हो सकता है। इससे इस तथ्य में सुधार की बात ध्रमक हो सकती है, दरअसल किडनी की कार्यप्रणाली बिगड़ रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बहुत अधिक प्रतिबंध से कुपोषण हो सकता है और वर्तमान में गुर्दे के प्रत्यारोपण से पहले 60-70 ग्राम प्रोटीन प्रतिदिन होते हैं। बैकक के आयोजन सचिव नेफ्रोलॉजी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मानस रंजन बेहरा ने बताया कि आहार को सीमित करते समय ऊर्जा के सेवन को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए जो पर्याप्त होना चाहिए। नेफ्रोलॉजी विभाग के अन्य संकाय सदस्यों प्रो. अनुपमा कौल, डॉ. डी.एस. पटेल, डॉ. मानस आर पटेल, डॉ. मोनिका याचा, डॉ. रवि एस. कई चिकित्सक वैज्ञानिकों ने भी

भाग लिया। चेन्नई के प्रोफेसर जॉर्जी अब्राहम ने इस बात पर जोर दिया है कि सामान्य रूप से पोषित रोगियों की तुलना में प्रोटीन ऊर्जा बर्बाद करने वाले रोगी जल्दी मर जाते हैं। गुर्दे की विफलता वाले रोगियों के लिए संधा नमक/लोना नमक खतरनाक हो सकता है, क्योंकि इसमें पोटेशियम होता है और इससे हाइपरकेलेमिया हो सकता है। हाइपरकेलेमिया से अचानक हृदय की मृत्यु हो सकती है। कम सोडियम वाला आहार महत्वपूर्ण है और प्रति दिन 5 ग्राम (vtsf) से कम पर्याप्त है। कम नमक वाला आहार किडनी रोगों की प्रगति को रोकने में महत्वपूर्ण है। यह रक्तचाप के अच्छे नियंत्रण के अलावा गुर्दे के बिस्तर पर हाइपरफ्ल्ट्रेनशन को कम करता है। अहमदाबाद से आए डॉ. अश्विन डब्लू ने सीकेडी में कीटो डाइट के बारे में जोर दिया। यदि रोगी बहुत कम प्रोटीन आहार <0.5 ग्राम/किग्रा/दिन पर है तो केटोएनालॉग अनुपूरण किया जाना चाहिए। अंगों के बीच क्रॉस टॉक,

किडनी फेल होने पर कार्डियोरिनल सिंड्रोम पर चर्चा की गई, नमक और पानी के जमा होने से कंजैस्टिव हार्ट फेलियर होता है। अन्य संशोधनों के अलावा, नमक कम करके और पानी का सेवन कम करके आहार संशोधन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

### हाइलाइट

1. सामान्य आबादी और सीकेडी आबादी में कुपोषण का प्रसार उच्च <50% है।
2. सीकेडी के मरीजों को संधा नमक से परहेज करना चाहिए।
3. सामान्य गुर्दे समारोह वाले व्यक्ति के लिए लोना नमक अच्छा विकल्प हो सकता है।
4. प्रोटीन प्रतिबंध 0.6 से 0.8 ग्राम/किग्रा/दिन से कम नहीं होना चाहिए
5. यदि कम प्रोटीन आहार की सलाह दी जाती है तो कुपोषण और ऊर्जा प्रतिबंध का ध्यान रखें।
6. सीकेडी से डायलिसिस में संक्रमण करते समय, प्रोटीन और ऊर्जा का सेवन बढ़ाया जाना चाहिए।

## नौकरी दिलाने के नाम पर छात्रा से दुष्कर्म व पीड़िता से ली गई मोटी रकम रुपए



❖ फोन से दी जा रही है धमकी सता की आड़ में परिवार को बचाने में लगा एक राजनेता का करीबी बता रहा अपने आपको भाजपा नेता

द अचीवर टाइम्स दीपक कर्नौजिया।

काकोरी लखनऊ। राजधानी लखनऊ के काकोरी में अपराधियों के हासिल लगातार बढ़ते चले जा रहे हैं। लखनऊ में बेलगाम अपराधियों की वजह से अपराध के ग्राफ में भी इजाफा हो रहा है। मानवता को शर्मसार करने वाला एक सनसनी खेज मामला लखनऊ के काकोरी कोतवाली से

आया है जहाँ एक छात्रा हैवानियत की भेंट चढ़ गई। पूरी शर्मनाक घटना छात्रा को सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर हुई। जहाँ छात्रा के साथ दुष्कर्म हुआ और नौकरी के नाम पर पांच लाख रुपए की ठगी भी की गई। पीड़ित छात्रा काकोरी कोतवाली के एक गांव की रहने वाली है। वहाँ पीड़िता छात्रा ने काकोरी थाने में टी तहरीर पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आन फानन में जांच में जुट गई। वहाँ मानवता को शर्मसार करने वाले दमंग आरोपियों ने महिला शाश्वतिकरण की भी धमकियाँ उड़वाईं। पीड़िता ने तहरीर देकर मुख्य आरोपी अखिलेश सहित चार अन्य लोगों पर लगाए गंभीर आरोप।

## पेड़ से लटकता मिला बालक का शव

द अचीवर टाइम्स सुशील अवस्थी

सीतापुर। महमूदाबाद रामपुर मथुरा रोड स्थित टैवसी स्टैंड के पीछे विद्युत जैन जी की बाग में अशोक कुमार मिश्र (पुजारी) का पुत्र विपिन मिश्र उम्र 16 का शव एक पेड़ से लटकता मिला आस पास के लोगों से पता चला की विपिन मिश्रा पिता के डांटने पर कल रात से घर से लापता था विपिन दो भाई और दो बहन हैं भाइयों में यह छोटा था और अनुराग रेडीमेड की शॉप पर काम करता था। पिता अशोक कुमार मिश्रा विद्युत जैन द्वारा बनवाए गए राम जानकी मंदिर के पुजारी भी रह चुके थे इस बाग में पत्नी गाँवों की सेवा करते हैं। पिता द्वारा कोतवाल महमूदाबाद को फोन द्वारा सूचना दी गयी। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सीतापुर भेज दिया

## एक नज़र

बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए विद्यालयों अच्छा भोजन बनाये: जिलाधिकारी

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला हरदोई। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से राजकीय इंटर कालेज के द्वितीय शैक्षिक संस्था में आज मध्याह्न भोजन योजना के तहत आयोजित जनपद स्तरीय रसोई पाक कला प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने दीप प्रज्वलित कर एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने पाक कला प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली रसोईयों को प्रमाण पत्र वितरित किये तथा कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए विद्यालयों अच्छा भोजन बनाये और रसोई को विशेष रूप से साफ-सुथरा रखें। कार्यक्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

थाना गौरीफन्टा पुलिस द्वारा, हत्या के अभियोग में वांछित 01 नफर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया।

द अचीवर टाइम्स रमेश चन्द्र लखीमपुर खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी, गणेश प्रसाद साहा के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के निकट पर्यवेक्षण में संपूर्ण जनपद में अपराध की रोकथाम व वांछित/वारण्टी अभियुक्तों को गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना गौरीफन्टा पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 36/2023 धारा 302/201/364 भा.द.वि. थाना गौरीफन्टा में नामजद / वांछित अभियुक्त शिवा पुत्र प्रेमचन्द्र उर्फ मिन्टू नि0 मो0 ढाकिन शहरी नई बस्ती कस्बा व थाना पलिया जिला खीरी को डिगनिया तिराहे से ग्राम सूडा को जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार किया गया। अग्रिम विधिक कार्यवाही करके अभियुक्त उपरोक्त को न्यायालय भेजा गया।

किसानों की समस्याओं को लेकर एक दिवसीय किसान धरना-प्रदर्शन का आयोजन

द अचीवर टाइम्स संवाददाता पाटन- उन्नाव। भारतीय किसान यूनियन टिकैत किसान ईकाई बोधापुर मेला का आयोजन मंगलवार को तहसील परिसर में समय 10-20 बजे किसान समस्याओं व परिवारिक जीविकोपार्जन हेतु आवादा जानवरों से गाँव-गाँव किसानों की फसल नष्ट व बर्बाद किये जाने को लेकर क्षेत्रीय, ग्रामीण, मजदूर, खेतियार किसानों के सहयोग से एक दिवसीय विशाल किसान धरना-प्रदर्शन का आयोजन किया जा रहा है।

नगर पंचायत अध्यक्ष द्वारा किया गया क्रिकेट कैम्प का मत्स्य शुभारंभ

द अचीवर टाइम्स संवाददाता मौरवा- उन्नाव। नगर पंचायत मौरवा में क्रिकेट इतिहास में पहली बार बीसीसीआई अफ़ूड कोच द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से आयोजित क्रिकेट कैम्प का भव्य शुभारंभ मौरवा नगर पंचायत अध्यक्ष कुँवर विवेक सेठ द्वारा किया गया। उन्होंने खिलाड़ियों व कैम्प को देखने उमड़ी थीड को संबोधित करते हुए कहा कि खिलाड़ियों की इतनी तादाद देखते हुए डीपीए के संयुक्त सचिव राजेश चौधरी की मेहनत साफ तौर से देखी जा सकती है। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को काफी सहायता मिलेगी। कार्यक्रम में जिला क्रिकेट संघ के महामंत्री पीके मिश्रा व महिला विन्स संयोजिका मंजू लता अवस्थी ने भी शिरकत की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंजू लता अवस्थी ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में खिलाड़ियों का प्रतिभाग करना ये दर्शाता है कि ग्रामीण क्षेत्र में खिलाड़ियों को मार्गदर्शन मिलने तो बड़े-बड़े शहरों की ओर न भगों। उन्होंने इस कैम्प को आयोजित करने वाले राजेश चौधरी की भी भूरी-भूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शीतल प्रसाद ने कहा कि ऐसे शिविर खिलाड़ियों को नई दिशा देगे साथ ही उनके सफलता के शिखर तक ले जाएंगे। पीके मिश्रा ने कहा कि राजेश चौधरी के प्रयासों से इस कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने इस कैम्प से खिलाड़ियों के आगे बढ़ने की उम्मीद जताई। प्रधान प्रतिनिधि सखन वंश राज वंशल ने भी खिलाड़ियों के उज्वल भविष्य की कामना की। शिविर के व्यवस्थापक व डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के संयुक्त सचिव राजेश चौधरी ने कहा कि ये शिविर उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अरविंद श्रीवास्तव की वजह से मौरवा में आयोजित किया जा रहा है ताकि ग्रामीण अंचलों के खिलाड़ी भी खेल की विधा में माहिर बन सकें।

सीएचसी में इमरजेंसी के सामने खड़ी बाइक अज्ञात चोरों ने किया पार

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

बांगरमऊ- उन्नाव। नगर के सीएचसी में इमरजेंसी के सामने खड़ी बाइक अज्ञात चोरों ने पार कर दी। पीड़ित सुबह से शाम तक खोजबीन करता रहा, लेकिन नहीं मिली। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कारवाई की मांग की है। बता दें कि सफीपुर के मोहल्ल सैयद वाड़ा के रहने वाले महबूब पुत्र निजामुद्दीन ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह बांगरमऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती अल्पेयस जावेद को देखने आया था। तभी उसने बाइक इमरजेंसी के सामने खड़ी कर मिलने चला गया। कुछ देर बाद जब वापस लौटा तो उसकी बाइक मौके पर नहीं मिली। उसने काफी देर तक खोजबीन की लेकिन कुछ जानकारी नहीं मिली। जिसके बाद पीड़ित ने कोतवाली में पुलिस को तहरीर देकर कारवाई की मांग की है।

## प्रत्येक दिव्यांग को उनकी जरूरत अनुसार कृत्रिम सहायक अंग उपलब्ध करायें जायेंगे-डीएम

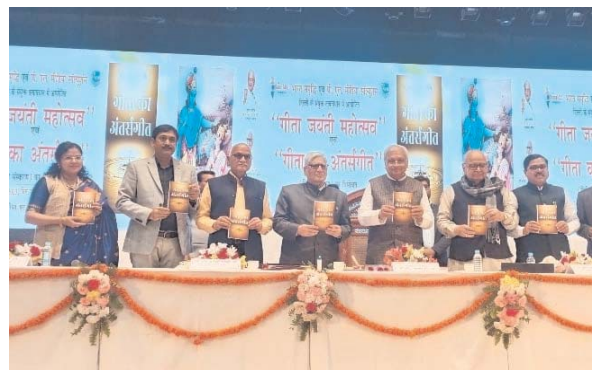
❖ प्रमाण पत्र कर्मचारियों के माध्यम से दिव्यांगों के घर पर पहुंचाये जायेंगे: एम0पी0 सिंह

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की ओर से राजकीय इंटर कालेज परिसर में कृत्रिम अंग सहायक उपकरण चिन्हीकरण, पंजीकरण एवं दिव्यांगता प्रमाण पत्र निर्गत हेतु विशाल दिव्यांगजन हितार्थ मेला का आयोजन किया गया। मेला में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने पात्र 05 दिव्यांगों को प्रधानमंत्री आवास की चाबी एवं ताला प्रदान तथा नये सहायक उपकरण हेतु चिन्हीत दिव्यांगों को प्रमाण पत्र वितरित किये। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उपस्थित दिव्यांगजनों से कहा कि जिन लोगों

द अचीवर टाइम्स विकास सैनी

लखनऊ। गीता जयंती महोत्सव एवं गीता का अंतर्संगीत पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने संबोधित करते हुए कहा कि कर्मयोग का संदेश देने वाली गीता भारतीय संस्कृति के सभी ग्रंथों का सार है। कार्यक्रम कानपुर रोड स्थित सिटी मोंटेसरी स्कूल के प्रेक्षागृह में हुआ। इस अवसर पर समारोह में विद्वान लेखक, विचारक, स्तंभकार एवं उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित की पुस्तक गीता का अंतर्संगीत- के द्वितीय संस्करण का विमोचन केरल के माननीय राज्यपाल द्वारा किया गया। आरिफ मोहम्मद खान ने अपने उद्बोधन में गीता के विभिन्न श्लोकों का उद्धरण देते हुए कर्मयोग की



विस्तृत व्याख्या की। उन्होंने कहा कि फल की इच्छा न रखते हुए पूरे मनोयोग से अपने कार्य में पूर्णता लाने का संदेश केवल गीता में ही दिया गया है। उन्होंने कहा कि श्री हृदय नारायण दीक्षित द्वारा लिखित पुस्तक गीता के संदेश के प्रचार प्रसार में काफी उपयोगी होगी। हृदय नारायण दीक्षित ने अपने उद्बोधन में कहा कि गीता में कर्म की उपयोगिता और जीवन चक्र तथा गीता में संस्कृति

की निरंतरता और उसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला गया है। इसके पूर्व विषय प्रवर्तन शैलेंद्र दुबे द्वारा किया गया। उन्होंने जीवन में गीता के प्रबंधन पर विस्तार से बताया। भाजपा के महामंत्री संजय राय जी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। महोत्सव की अध्यक्षता राष्ट्र धर्म के संपादक प्रोफेसर ओमप्रकाश पांडे ने की। सिटी मॉन्टेसरी स्कूल के संस्थापक श्री जगदीश गांधी भी

समारोह में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन भारत समृद्धि की तरफ से शिक्षक व समाजसेवी रीना त्रिपाठी व नित्यानंद तिवारी पुस्तक के प्रकाशक व मॉडिया सॉल्यूशन द्वारा किया गया। भारत समृद्धि संस्था से धीरज उपाध्याय, त्रिवेणी मिश्रा, रेनु त्रिपाठी, गीता वर्मा, हर्षिता, रवि राठौर, सौरव सिंह मोनु, रामकुमार, सूर्य प्रकाश उपाध्याय उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम में सभी आमजन, बुद्धिजीवी, विद्यार्थी, कर्मचारी, शिक्षक, व्यापारी गणों ने गीता महोत्सव में हुए वक्तव्यों को ध्यानपूर्वक सुना तथा मुख्य अतिथि के द्वारा बताए गए विलक्षण और ज्ञानवर्धक बातों से अपना और अपने समाज का मार्ग प्रशस्त करने का वादा किया।

## बहरौरा प्रीमियम लीग (BPL) का फीता काटकर जिला पंचायत सदस्य ने कराया शुभारंभ

द अचीवर टाइम्स संवाददाता।

माल लखनऊ। राजधानी के हर एक गाँव में अब खेल प्रेमियों का दायरा बढ़ता चला जा रहा है। जहाँ एक तरफ गाँव से लेकर देश तक नाम होता है। इसी कड़ी में खेल जगत में क्रिकेट मैच का प्रेम लगातार बढ़ रहा है। क्रिकेट की दीवानगी इस कदर बढ़ रही है कि लखनऊ के ग्रामीण क्षेत्रों में क्रिकेट प्रेमी भाईयों के लिए पुनः बहरौरा प्रीमियम लीग (BPL) तृतीय ग्रामीण क्रिकेट टूर्नामेंट का सुभारंभ हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्र की जिला पंचायत सदस्य रेनु भारती पत्नी रामचरन भास्कर जी के द्वारा फीता काटकर राखाना काराकर सुभारंभ कराया गया। बहरौरा प्रीमियम लीग के आयोजक छटेरलाल गौतम गौतम सिंह कुलदीप यादव मोहित (लाल)



के द्वारा 24 दिसंबर 2023 को तीसरी बार बहरौरा प्रीमियम लीग का आयोजन किया। सदस्य जिला पंचायत प्रतिनिधि रामचरन भास्कर जी ने क्रिकेट प्रतियोगिता में नियम एवं शर्तों के बारे में बताया और खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हुए क्रिकेट प्रतियोगिता का सुभारंभ कराया। सदस्य जिला पंचायत प्रतिनिधि रामचरन भास्कर जी के समक्ष प्रथम मैच टिकरी लोधोरा और रायपुर राजा के मध्य हुआ जिसमें टिकरी लोधोरा ने रायपुर राजा को 12 ओवर के मैच में 79 रन का स्कोर महज 2 विकेट खोकर शानदार तरीके से 7 ओवर में टिकरी लोधोरा दर्ज कराई और अपनी दमदार परफॉर्मेंस के लिए शौरभ सिंह को मैन ऑफ द मैच (30रन, 2 विकेट) चुना गया।

का दूसरा मैच सिकोहरी और बहरौरा के बीच हुआ जिसमें बहरौरा ने सिकोहरी को 27 रनो से हराया मोहित लाला ने 50 रन बनाए और 1 विकेट हासिल किया। गौरव सिंह ने 32 रन बनाए और सूर्या सिंह ने 33 रन बनाए और एक विकेट लिया। तथा तीसरा मैच बदैयाँ और सैदापुर के बीच हुआ जिसमें बदैयाँ ने सैदापुर को 10 विकेट से हराया क्रिकेट प्रतियोगिता में छेत्र के हजारों दर्शक एवम ग्रामवासी तथा क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

## समाज रत्न सम्मान के साथ विद्यार्थी प्रतिभा उत्सव का समापन सामाजिक कार्यों में योगदान देने वाले दिवंगतों के परिजनों को किया सम्मानित

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। सामाजिक कार्यों में योगदान देने वाले दिवंगतों के परिजनों को सम्मानित करने के साथ जानकीपुरम विश्वत राष्ट्रीय सांस्कृतिक सम्पदा संरक्षण अनुसंधानशाळा के प्रांगण में चल रहे तीन दिवसीय विद्यार्थी प्रतिभा उत्सव समाप्त हो गया। तीन दिनों तक चले इस उत्सव में विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया और उनके उत्कृष्ट प्रदर्शनों को लेकर उन्हें प्रशस्तिपत्र और छत्रों को आगे बढ़ाने में योगदान देने वाले विभिन्न स्कूल, संस्थाओं को भी सम्मानित किया गया। इससे पहले समाज के लिये सामाजिक कार्यों में योगदान देने वाले उमेश चन्द्र मिश्र, राजीव मेहरोत्रा, श्रीमती छाया और ज्योति पाठक की असामयिक मृत्यु होने होने पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी और उनके योगदान के लिये परिवारियों को समाज रत्न



सम्मान से सम्मानित किया गया। सामाजिक संस्था सोसायटी ऑफ कॅरियर टेक्नोलॉजी (सोवट) एवं जनविकास महासभा के तत्वावधान में तीन दिन तक चले इस विद्यार्थी प्रतिभा उत्सव के समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व महापौर सुरेश चन्द्र अवस्थी, वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश चन्द्र अवस्थी, क्षेत्रीय पार्षद राज

कुमार मौर्य, सहित कई प्रमुख लोग मौजूद थे। उत्सव के समापन कार्यक्रम के प्रथम सत्र में स्कूली बच्चों का अपनी प्रतिभाओं को दिखाने का क्रम जारी रहा। जिसमें विद्यार्थियों द्वारा कई बेहतरीन नृत्य, संगीत, कबाड़ से जुगाड़, संक्षिप्त भाषण और वाद्य ध्वंज वादन के कार्यक्रम हुए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों

की श्रृंखला में स्पर्श मौर्य ने जल संरक्षण के लिए योजनायें प्रस्तुत की, नृत्य को श्रृंखला में ओजस्वी, जाहन्वी सिंह, पावनी सिंह, रोशनी, के. निमिषा, आशी, सिद्धि गुप्ता और कृष्णा ने वाद्य यंत्र वादन के साथ श्री राम स्तुति प्रस्तुत की। आशी सिंह ने पर्यावरण संरक्षण को जागरूकता के लिये संक्षिप्त भाषण की प्रस्तुति की। सार्थक ने बांसुरी की प्रस्तुति की। उत्सव के सफल आयोजन पर मुख्य आयोजक पंकज तिवारी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि अगले वर्ष विद्यार्थी प्रतिभा उत्सव और व्यापक स्तर पर किया जायेगा, ताकि शहर के हजारों स्कूली छात्र अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन कर सकें।

## जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई स्वच्छ भारत मिशन की बैठक



❖ व्यक्तिगत शौचालय बनाने के कार्य में तेजी लायी जाए: जिलाधिकारी।  
❖ लापरवाह पंचायत सहायकों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए: मंगला प्रसाद सिंह

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में स्वच्छ भारत मिशन की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि व्यक्तिगत शौचालय बनाने के कार्य में तेजी लायी जाए। प्रश्नों से समनव्य कर गाँव में सृष्टे हुए लोगों

की सूची तैयार की जाए। गाँव में राशन कार्ड, पेंशन हेतु पात्र लोगों की सूची बनाई जाए। लापरवाह पंचायत सहायकों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। जन-मृत्यु प्रमाणपत्र हेतु पंचायत स्तर पर ही पंजीकरण कराया जाए। अवशेष आरआरसी केन्द्रों हेतु भूमि चिन्हीकरण का कार्य जल्द कराया जाए। नवनिर्मित आरआरसी केन्द्रों के का सत्यापन कराया जाए। विकास खण्डों से आरआरसी केन्द्रों के क्रियाशील होने का प्रमाणपत्र लिया जाए। ग्रामों में कचरा प्रबंधन को बेहतर बनाया जाए। बावन में निर्मित गोवर्धन प्लांट का जल्द लोकार्पण कराया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुानी, ब्लाक प्रमुख भरखनी धीरेन्द्र प्रताप सिंह सेनानी, डीपीआरओ विनय कुमार सिंह, ग्राम प्रधान नेदुरा व खन्नू मई तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।



# मोदी-शाह से जल्द मिलेंगे ओपी राजभर, बिहार से भी चाहते हैं लोकसभा की कुछ सीटें

संवाददाता

लखनऊ। शुरुवार को सीएम योगी और राजभर के बीच राजभर जाति को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने समेत कई मुद्दों के अलावा मंत्रिमंडल विस्तार पर भी चर्चा हुई है। मुलाकात के बाद ही राजभर ने दिल्ली जाने का कार्यक्रम बनाया है। सुभाषपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के बाद एक बार फिर से प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। सूत्रों के मुताबिक सीएम योगी से मिलने के बाद अब राजभर जल्द ही दिल्ली जाएंगे। वहां पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिलकर मंत्रिमंडल विस्तार के साथ ही यूपी और बिहार में लोकसभा सीटों के बंटवारे के मुद्दे पर अंतिम तौर पर चर्चा करेंगे। भाजपा के शीर्ष



नेताओं के साथ राजभर की बैठक 30 या 31 दिसंबर को हो सकती है। शुरुवार को सीएम योगी और राजभर के बीच राजभर जाति को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने समेत कई मुद्दों के अलावा मंत्रिमंडल विस्तार पर भी चर्चा हुई

है। मुलाकात के बाद ही राजभर ने दिल्ली जाने का कार्यक्रम बनाया है। सूत्रों के मुताबिक इस मुलाकात के बाद ही राजभर ने दिल्ली से संपर्क साधा। उनकी भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से बात हुई तो उन्होंने 30 या 31 दिसंबर में किसी एक दिन बुलाने की

बात कही है। इस आधार पर अब माना जा रहा है कि दिल्ली में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से वार्ता के बाद ही मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर छद्म धुंध साफ हो सकेगी। सूत्रों के मुताबिक राजभर मंत्रिमंडल विस्तार के साथ ही यूपी और बिहार में लोकसभा सीटों के बंटवारे को लेकर भी अंतिम फैसला इसी बैठक में करना चाहते हैं। सूत्रों का कहना है कि राजभर यूपी के साथ ही बिहार में भी लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी में जुटे हैं। इसके लिए उन्होंने भाजपा नेतृत्व के सामने यूपी में तीन और बिहार की दो सीटों पर दावेदारी पेश की है। यूपी में चंद्रौली, गाजीपुर, बलिया, सलेमपुर और मऊ में से कोई तीन सीटें मांगी हैं। वहीं बिहार

में काराकाट, सिवान, बाल्मीकि नगर और नवादा सीट पर दावा पेश किया है। सूत्रों के मुताबिक सुभाषपा को यूपी में दो और बिहार में एक सीट दिए जाने को लेकर सहमति भी बन चुकी है। सीटें इस बार की बैठक में तय होंगी।

राजभर अब दिल्ली से ही कराना चाहते हैं अंतिम फैसला एनडीए में शामिल होने के बाद से राजभर को योगी कैबिनेट में शामिल करने की चर्चाएं होती रही हैं। राजभर भी कई बार इस बारे में तारीखों की घोषणा कर चुके थे। इसके बावजूद अब तक मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं हो पाया। माना जा रहा था कि मप्र, राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद विस्तार होगा, लेकिन इसके अभी तक कोई संकेत नहीं मिले हैं। ऐसे में राजभर अब दिल्ली जाकर ही इस पर अंतिम फैसला कराना चाहते हैं।

## बाघों को देखने के लिए विकसित होगा टूरिज्म सर्किट, दुधवा, कर्तर्नियाघाट में बनेगी फोरलेन सड़क

संवाददाता

लखनऊ। दुधवा नेशनल पार्क, कर्तर्नियाघाट वाइल्ड लाइफ सेंचुरी और पीलीभीत टाइगर रिजर्व में चूका बीच जैसे इको टूरिज्म के स्थलों तक फोरलेन रोड कनेक्टिविटी का निर्णय लिया गया है। प्रदेश में पर्यटकों को बाघों का आसानी से दीदार करने के लिए इको टूरिज्म सर्किट विकसित किया जाएगा। इसके लिए दुधवा, कर्तर्नियाघाट और पीलीभीत टाइगर रिजर्व (पीटीएफ) के लिए फोरलेन सड़कों का निर्माण होगा। इससे संबंधित प्रस्ताव जल्द ही राज्य वन्यजीव बोर्ड में रखे जाएंगे। दुधवा नेशनल पार्क, कर्तर्नियाघाट वाइल्ड लाइफ सेंचुरी और पीलीभीत टाइगर रिजर्व में चूका बीच जैसे इको टूरिज्म के स्थलों तक फोरलेन रोड कनेक्टिविटी का निर्णय लिया गया है। प्रयास है कि इनमें से किसी भी एक स्थान के लिए पर्यटकों के आने पर उन्हें दूसरे स्थान का भ्रमण करने के लिए भी प्रेरित किया जा सके। इससे जहां पर्यटकों के लिए बाघ



दिखाई देने की संभावना बढ़ेगी, वहीं स्थानीय स्तर पर रोजगार के अधिक अवसर पैदा होंगे। इस योजना के तहत दुधवा नेशनल पार्क के लिए लखीमपुर खीरी-दुधवा मार्ग को दो से चार लेन किया जाएगा। इसकी कुल लंबाई 81 किलोमीटर है। कर्तर्नियाघाट वाइल्ड लाइफ सेंचुरी तक सुगम आवागमन के लिए बहराइच-मिहीपुरवा मार्ग (65 किमी) और ढकेरवा-लखीमपुर मार्ग (39 किमी) को दो से चार लेन

करने का फैसला भी किया गया है। इसी तरह से पीलीभीत टाइगर रिजर्व में बनकटी-महोफ-रेस्ट हाउस ग्रामीण मार्ग (15 किमी) और पीलीभीत माधोटांडा दो लेन मार्ग (30 किमी) को भी मजबूत किया जाएगा। भविष्य में योजना पीलीभीत टाइगर रिजर्व को मुख्य मार्ग से इतर आंतरिक सड़कों से कर्तर्नियाघाट से सीधे जोड़ने की भी योजना है। इसके लिए भी अध्ययन कराया जा रहा है।

## क्रिसमस पर आज शाम से कल तक बदला रहेगा शहर का ट्रैफिक

# खबर पढ़कर घूमने का प्लान करें

संवाददाता

लखनऊ। कार्यक्रम में आने वाले वाहन सेंट फ्रांसिस स्कूल के अंदर व बाहर सड़क के किनारे एक पंक्ति में खड़े होंगे। अन्य वाहन नवल किशोर रोड से होते हुए हजरतगंज मल्टीलेवल पार्किंग में आ-जा सकेंगे। क्रिसमस पर 25 दिसंबर को हजरतगंज में यातायात में बदलाव रहेगा। दोपहर तीन बजे से कार्यक्रम की समाप्ति तक यह व्यवस्था लागू रहेगी। हालांकि, वैकल्पिक मार्ग के अभाव में प्रतिबाधित मार्ग पर भी एंबुलेंस, फायर सर्विस, शव वाहन को पुलिस निकलवाएंगी। इसके लिए ट्रैफिक कंट्रोल रूम के नंबर 9454405155 पर संपर्क किया जा सकता है।

यू रहेगी व्यवस्था

- परिवर्तन चौक से सामान्य यातायात मेफेयर, अल्का तिराहा होते हुए हजरतगंज चौराहे की ओर नहीं आ सकेगा। यह अशोक लाट कैसरबाग या केडी सिंह बाबू स्टेडियम तिराहा, चिरैयाझील, सिकंदरबाग व संकल्प वाटिका ओवरब्रिज होकर जा सकेगा। - केडी सिंह बाबू स्टेडियम तिराहे से सामान्य यातायात हिंदी संस्थान की ओर नहीं जा सकेगा। यह ट्रैफिक स्टेट बैंक तिराहा, चिरैयाझील, सहारागंज, सिकंदरबाग या संकल्पवाटिका ओवरब्रिज होकर जा सकेगा। - हिंदी संस्थान से सामान्य यातायात मेफेयर की ओर नहीं जा सकेगा। यह चिरैयाझील होकर जा



सकेगा। - मेफेयर तिराहे से सामान्य यातायात अल्का तिराहे की ओर नहीं जा सकेगा। यह लालबाग चौराहा या बाल्मीकि तिराहा, केडी सिंह बाबू

स्टेडियम तिराहा होकर जा सकेगा। - अल्का तिराहे से सामान्य यातायात बैंक ऑफ इंडिया तिराहे की ओर नहीं जा सकेगा। यह यातायात मेफेयर तिराहा या बाल्मीकि

तिराहा होकर जा सकेगा। - बैंक ऑफ इंडिया तिराहे से सामान्य यातायात अल्का या कैथेड्रल स्कूल की तरफ नहीं जा सकेगा। यह नवल किशोर रोड होकर जा सकेगा। - डनलप तिराहे से सामान्य यातायात बैंक ऑफ इंडिया या अल्का तिराहे की ओर नहीं जा सकेगा। यह सफरु मार्ग या सहारागंज होकर जाएंगे। - हजरतगंज चौराहे से अल्का, मेफेयर की ओर सामान्य यातायात नहीं जा सकेगा। यह सिकंदरबाग या कैपिटल तिराहा होकर जा सकेगा। - मेफेयर तिराहे से अल्का

तिराहा, शाहनजफ रोड मजार चौराहे के बीच वाहनों का आवागमन प्रतिबाधित रहेगा। **नो पार्किंग जोन** हजरतगंज चौराहे से अल्का तिराहा, मेफेयर तिराहा, अल्का तिराहा से बैंक ऑफ इंडिया तिराहा और शाहनजफ रोड मजार चौराहे तक किसी भी प्रकार के वाहन की पार्किंग नहीं होगी। **यहां होगी पार्किंग** कार्यक्रम में आने वाले वाहन सेंट फ्रांसिस स्कूल के अंदर व बाहर सड़क के किनारे एक पंक्ति में खड़े होंगे। अन्य वाहन नवल किशोर रोड से होते हुए हजरतगंज मल्टीलेवल पार्किंग में आ-जा सकेंगे।

## एक नज़र

सपा के बलिया जिले के जिलाध्यक्ष की सड़क दुर्घटना में मौत, लोहिया पार्क के पास हुई दुर्घटना

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के बलिया जिले के जिलाध्यक्ष राजमंगल यादव की लखनऊ में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। वह सुबह टहलने के बाद स्कूटी से लौट रहे थे तभी किसी वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। समाजवादी पार्टी के बलिया जिले के जिलाध्यक्ष राजमंगल यादव की मौत सड़क दुर्घटना में हो गई। लखनऊ के लोहिया पार्क के पास रविवार की सुबह टहलने के बाद वह स्कूटी से लौट रहे थे। उसी दौरान किसी वाहन ने टक्कर मार दी। आसपास के लोगों ने उपचार के लिए पास के अस्पताल में पहुंचाया वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पार्टी कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई। मामले की जानकारी पर सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ट्रॉफा सेंटर पहुंचे।

राममंदिर के लिए दान देने वाले देश-दुनिया के पहले शख्स हैं सियाराम, जमीन बेच जुटाए थे एक करोड़

लखनऊ। अयोध्या में राममंदिर के लिए धनराशि जुटाने वाले सियाराम ने अपनी 16 बिस्वा जमीन बेच दी थी। 15 लाख रुपये कम पड़े तो बेटे, बेटी और रिश्तेदारों से उधार लिया। एक करोड़ रुपये दान देने का संकल्प पूरा किया।

अयोध्या में श्रीरामजन्म भूमि पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने से करीब एक साल पहले ही प्रतापगढ़ के सियाराम गुप्ता ने राममंदिर निर्माण के लिए एक करोड़ रुपये दान दे दिया था। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) काशी प्रांत के रिकॉर्ड के मुताबिक, सियाराम देश और दुनिया के पहले दानदाता हैं। इसी लिहाज से उन्हें राममंदिर की प्राणप्रतिष्ठा में बुलाया गया है। इससे सियाराम गदगद हैं। उनका कहना है कि प्रभु राम आ गए। 500 वर्षों के बाद उन्हें अपना घर मिल रहा है। मेरा तो जीवन धन्य हो गया। अयोध्या में रामजन्मभूमि विवाद पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला नवंबर 2019 में आया था, फिर श्रीराम मंदिर तीर्थ क्षेत्र से निधि समर्पण का अभियान चलाया। लेकिन सियाराम गुप्ता ने अक्टूबर 2018 में ही राममंदिर निर्माण के लिए एक करोड़ रुपये का चेक आरएसएस काशी प्रांत को दे दिया था।

**बेच दी थी जमीन** अयोध्या में राममंदिर के लिए धनराशि जुटाने वाले सियाराम ने अपनी 16 बिस्वा जमीन बेच दी थी। 15 लाख रुपये कम पड़े तो बेटे, बेटी और रिश्तेदारों से उधार लिया। एक करोड़ रुपये दान देने का संकल्प पूरा किया। सियाराम को भरोसा था कि अयोध्या में भव्य और दिव्य राममंदिर बनेगा। इसलिए पहले ही दान देने का फैसला कर लिया। वह कहते हैं कि दान देकर भूल गया था। किसी तरह के प्रचार-प्रसार की मंशा नहीं थी। राममंदिर की प्राणप्रतिष्ठा की तारीख घोषित हुई तो श्रीराम मंदिर तीर्थ क्षेत्र अयोध्या से न्योता मिल गया। 22 जनवरी को अयोध्या जाना है। आरएसएस काशी प्रांत ने राममंदिर निर्माण के लिए दान देने वाला पहला दानदाता भी बताया। जमीन कारोबार से जुड़े सियाराम गुप्ता ने पांचवीं तक की पढ़ाई की है। प्रतापगढ़-प्रयागराज रोड पर राम-सीता का मंदिर भी बनवाया है। अब मंदिर में ही रहकर पूजा-अर्चना करते हैं। वह कहते हैं कि इमरजेंसी में जेल गया था। पहला दानदाता बनने की जितनी खुशी मुझे है, उससे कहीं ज्यादा पत्नी, तीन बेटे और बेटियों को है। सबकी सहमति से अक्टूबर 2018 में दान दिया था। परिवार का पूरा सहयोग था।

**लोकसभा चुनाव से पहले यूपी प्रभारी पद से हटें प्रियंका गांधी, अविनाश पांडेय को दी गयी जिम्मेदारी**

लखनऊ। लोकसभा चुनाव के ठीक पहले प्रियंका गांधी यूपी के प्रभारी पद से हट गई हैं। लंबे समय से इस बात के कयास लगा रहे थे कि प्रियंका इस पद से अपने आप को हटा सकती हैं। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश प्रभारी पद पर प्रियंका गांधी की जगह अब नागपुर निवासी अविनाश पांडेय को जिम्मेदारी सौंपी है। अविनाश अभी झारखंड के प्रभारी हैं। इसे आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टि से अहम माना जा रहा है। फिलहाल प्रियंका गांधी को अभी कोई घोषित जिम्मेदारी नहीं दी गई है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों की घोषणा होने के बाद से ही उत्तर प्रदेश के प्रभारी पद पर निगाहें लगी थीं। प्रियंका गांधी को लोकसभा चुनाव 2019 से ठीक पहले यूपी की जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन तमाम प्रयास के बाद भी कांग्रेस के हाथ सिर्फ रायबरेली सीट लगी। इसी तरह वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस उम्मीदों के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई। पार्टी के विधायकों की संख्या सात से घटकर दो पर आ गई। विधानसभा चुनाव के बाद से ही प्रियंका गांधी ने उत्तर प्रदेश से दूरी बना ली थी। ऐसे में उत्तर प्रदेश प्रभारी को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं थीं। शनिवार को महासचिव केशी वेणुगोपाल की ओर से कई प्रदेशों के प्रभारियों की घोषणा की गई। इसमें महाराष्ट्र के नागपुर निवासी अविनाश पांडेय को उत्तर प्रदेश प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह विधान सभा चुनाव के दौरान उत्तर प्रदेश के घोषणा पत्र कमेटी के प्रभारी रह चुके हैं।

## हिस्ट्रीशीटर के घर में डकैती की साजिश रचने वाला बदमाश मुठभेड़ में दबोचा गया, पैर में लगी गोली

एजेंसी

लखनऊ। बाराबंकी के टिकैतगंज में डकैती की साजिश रचने वाले बदमाश को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद उसे गिरफ्तार किया है। बाराबंकी के टिकैतगंज में डकैती डालने वाले 12 बदमाशों में से एक और बदमाश गनेशी को भी पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान रात में गिरफ्तार कर लिया। फायरिंग के दौरान उसके दाहिने पैर में गोली लगी है। गनेशी ने ही अपने रिश्तेदार के साथ मिलकर इस घटना की साजिश रची थी। बीते 18 दिसंबर को कुर्सी इलाके के टिकैतगंज निवासी व्यापारी व हिस्ट्रीशीटर शिवकुमार के यहां डकैतों ने भारी मात्रा में जेवरत व नगदी की लूट की थी। इसमें सात



बदमाश शनिवार को गिरफ्तार कर जेल भेजे जा चुके हैं। एक बदमाश नौशाद को मुठभेड़ के दौरान गोली भी लगी थी। पुलिस ने फरार चल

रहे पांच अन्य बदमाशों पर 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। कुर्सी के थाना प्रभारी जगदीश प्रसाद शुक्ल ने बताया कि

रविवार की रात करीब 2:00 बजे लखनऊ के बवशी का तालाब थाना क्षेत्र के अतरौरा गांव निवासी गनेशी को गिरफ्तार कर लिया गया। डकैती का माल बरामद करने के लिए उसे कुर्सी थाना क्षेत्र के तिलहटी जंगल में ले जाया गया। यहां छिपाई गई बोरी खोलते ही उसने तमंचा निकाला और पुलिस पर फायर झोंक दिया। अंधेरे का लाभ उठाकर भागे गनेशी और पुलिस के बीच हुए फायरिंग में गनेशी के दाहिने पैर में गोली लग गई। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाकी चार अन्य बदमाशों की तलाश में चार पुलिस टीमें लगी हैं।

## यूपी के स्कूलों में बनेंगे स्वास्थ्य क्लब, 10 जनवरी तक छात्रवृत्ति के लिए कर सकेंगे आवेदन

संवाददाता

लखनऊ। सामान्य, पिछड़े व अल्पसंख्यक विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति एवं शुल्क भरपाई के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ दी है। अब वे 10 जनवरी तक आवेदन कर सकेंगे। पहले यह अंतिम तिथि 31 दिसंबर घोषित की गई थी। स्कूल-कॉलेज के बच्चों की सेहत सुधारने के लिए विद्यालयों में स्वास्थ्य क्लब स्थापित किए जाएंगे। शिक्षकों के सहयोग से स्थापित होने वाले इन क्लब में उनको खानपान संबंधी आदतों के विकास, बच्चों को स्वस्थ भोजन, शीतल द्रव्य आदि के बारे में जागरूक किया जाएगा। इससे जुड़ी प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में कक्षा तीन से इंटर तक के विद्यार्थियों को शीतल द्रव्य देताए जाएंगे। उनके बीच शीतल द्रव्य आधारित पोस्टर, रंगोली, स्लोगन,



निबंध लेखन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इसमें नकद पुरस्कार व प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा। मध्याह्न भोजन प्राधिकरण की निदेशक कंचन वर्मा ने सभी डीएम को पत्र भेजकर स्वास्थ्य क्लब की स्थापना व ईट राइट क्रिएटिविटी चैलेंज की प्रतियोगिता आयोजित करने को कहा

है। मालूम रहे कि युवाओं, खासकर स्कूली बच्चों के डिफिन में अक्सर फास्ट फूड ही देखने को मिलता है। इसे ध्यान में रखते हुए स्कूल परिसर में बच्चों को स्वस्थ भोजन के प्रति जागरूक करने की पहल शुरू की गई है। **अब 10 जनवरी तक छात्रवृत्ति के लिए कर सकेंगे आवेदन**

ने दशमोत्तर कक्षाओं के सामान्य, पिछड़े व अल्पसंख्यक विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति एवं शुल्क भरपाई के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ दी है। अब वे 10 जनवरी तक आवेदन कर सकेंगे। पहले यह अंतिम तिथि 31 दिसंबर घोषित की गई थी। परीक्षा शासन ने सभी वर्गों के 50 लाख से ज्यादा छात्र लाभान्वित होते हैं। **एकेटीयू-31 तक भरे जाएंगे परीक्षा फॉर्म** लखनऊ। एकेटीयू-31 तक भरे जाएंगे परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि 31 दिसंबर कर दी है। इसी के साथ प्रस्तावित परीक्षा केंद्रों की सूची भी जारी करते हुए इस पर आपत्ति मांगी है। वि्वि की ओर से यूजी-पीजी सेमेस्टर परीक्षाओं का आयोजन नौ जनवरी से प्रस्तावित है। इसके लिए परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि 27 दिसंबर निर्धारित की गई थी। परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कुमार ने बताया कि इसे बढ़कर 31 दिसंबर कर दिया गया है। इस तिथि तक विद्यार्थी परीक्षा फॉर्म भर व परीक्षा शुल्क जमा कर सकेंगे। वहीं संपादित परीक्षा केंद्रों की सूची भी वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। कॉलेज इसे देखकर 28 दिसंबर तक अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

## ग्रामीण विद्युतीकरण योजना में घोटाले पर तीन उपजिलाधिकारियों के खिलाफ FIR, जानें पूरा मामला



संवाददाता

लखनऊ। राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना में घोटाला करने के आरोप में तीन उपजिलाधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। उनमें पीसीएस देवेन्द्र प्रसाद जोशी, पीसीएस अमजद अली और पीसीएस प्रमोद आनंद के नाम शामिल हैं।

करोड़ 31 लाख 52 हजार 865 रुपये का घोटाला सामने आया है। विजलेंस की जांच रिपोर्ट के आधार पर तीन उपजिलाधिकारियों, दो अवर अभियंताओं और रिटायर्स एनर्जी लिमिटेड के सीनियर मैनेजर के खिलाफ गबन, आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम नियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। जिन उपजिलाधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। उनमें पीसीएस देवेन्द्र प्रसाद जोशी, पीसीएस अमजद अली और पीसीएस प्रमोद आनंद के नाम शामिल हैं।

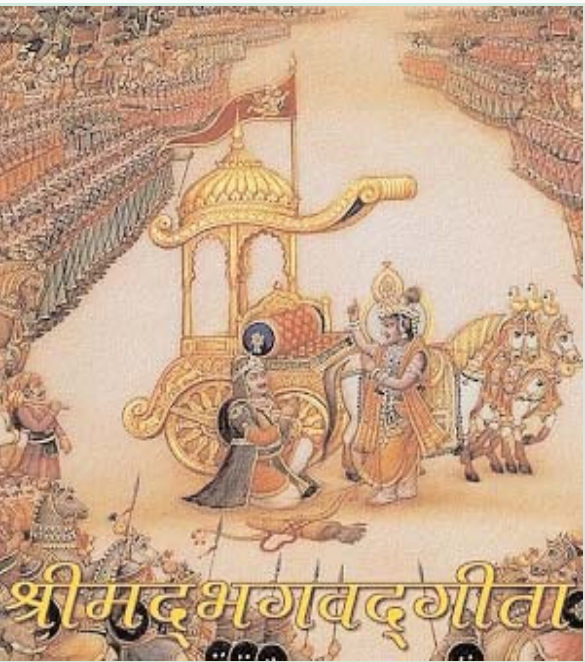
## 31 दिसंबर के बाद शुरू होगी बिजली बकायदारों पर कार्रवाई, ओटीएस से हुई 3900 करोड़ की वसूली

लखनऊ। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि योजना में 33.38 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को लगभग 1041 करोड़ रुपए का लाभ मिला है। इनसे 3036 करोड़ रुपये का राजस्व मिला है। इसी तरह निजी नलकूप में 1.56 लाख किसानों को 113.46 करोड़ रुपए की छूट मिली और विभाग को 406 करोड़ रुपये का राजस्व मिला। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बताया कि 8 नवंबर से शुरू हुई ओटीएस योजना में 23 दिसंबर तक 37.60 लाख से ज्यादा उपभोक्ताओं ने 3900 करोड़ रुपये जमा किया है। यह योजना 31 दिसंबर तक ही चलेगी। इसके बाद बिजली बकाया वाले और चोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने शनिवार को जल निगम फील्ड हॉस्टल में ओटीएस योजना की प्रगति के बारे में जानकारी ली।



## सम्पादकीय

# वर्तमान में भगवद् गीता की प्रासंगिकता



भगवद् गीता हमारे जीवन का कालजयी एवं शाश्वत सत्य है। सत्य का न तो कभी जन्म हुआ और न ही इसका अंत होता है, किंतु हम इस दिन को सृष्टि के रूप में दिए गए इस कालातीत ज्ञान पर विचार करने, इसे समझने और आत्मसात करने के एक अच्छे अवसर के रूप में लेते हैं। गीता जयंती, 5100 साल पहले अद्भुत ज्ञान, भगवद् गीता के प्रकट होने के उपलक्ष्य में मनाया जाने वाला एक विशेष उत्सव है। भगवद् गीता हमारे जीवन का कालजयी एवं शाश्वत सत्य है। सत्य का न तो कभी जन्म हुआ और न ही इसका अंत होता है, किंतु हम इस दिन को सृष्टि के रूप में दिए गए इस कालातीत ज्ञान पर विचार करने, इसे समझने और आत्मसात करने के एक अच्छे अवसर के रूप में लेते हैं। भौतिक जगत में डूबने वालों के लिए, भगवद् गीता के श्लोक, उस रस्सी के समान हैं जो आपको किनारे तक ले जाती है। इसलिए भगवद् गीता को बार-बार पढ़ते रहें और स्मरण करते रहें। यह जान लें कि आप दिन के प्रत्येक क्षण में जिस ज्ञान को जी रहे हैं, वह भगवद् गीता है। दुनिया में दो तरह के लोग हैं- एक तो वे लोग जो निष्क्रिय हैं और दूसरे वे जो आक्रामक हैं। जो लोग बहुत निष्क्रिय होते हैं वे किसी भी चीज में शामिल नहीं होते हैं और जो लोग बहुत आक्रामक होते हैं। वे जो चाहते हैं उसे प्राप्त करने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। देर-सवेर दोनों के हाथ खाली ही मिलते हैं। तो फिर सही दृष्टिकोण क्या होना चाहिए? क्या हमें निष्क्रिय होना चाहिए या आक्रामक होना चाहिए? गीता दोनों में से किसी की भी वकालत नहीं करती। यह कहती है, व्यक्ति को %शांति के साथ गतिशीलता% रखनी चाहिए। यह एक ही समय में गतिशील और शांत रहने की शिक्षा देती है। वह शांति, जो सक्रिय है, वही किसी भी समस्या के प्रति सही दृष्टिकोण रखने में सहायक होगी। भगवद् गीता आज भी उतनी ही प्रासंगिक है जितनी कई युगों पहले थी।

## मनुष्य बनने की योग्यता

%योग्यता% शब्द %योग% से आया है। %जब अस्तित्व के साथ गहराई से मिलन होता है, तब आप वास्तव में एक मनुष्य बनने के योग्य होते हैं।% किसी भी कार्य को करने के लिए, आपको इस कार्य के साथ एकीकृत होने की आवश्यकता है। आपको ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। आपको रोगों से मुक्त रहने की आवश्यकता है। आपको अपने आस-पास क्या हो रहा है, इसके विषय में जागरूक रहने की आवश्यकता है। %योग% हमारे भीतर गहरी शांति लाता है और %कर्मयोग% गतिविधियों में गतिशीलता लाता है। आज समाज में जिम्मेदारी लेने की आवश्यकता है- यही %कर्मयोग% है। %कर्मयोग% का अर्थ है %कर्म को पूरी जिम्मेदारी के साथ करना। एक व्यक्ति वही कार्य कर्मयोग या अयोग में कर सकता है। उदाहरण के लिए, एक शिक्षक जब वह बच्चों में रुचि लेता है तब वह %कर्मयोगी% हो सकता है, लेकिन अगर शिक्षक की रुचि केवल हर महीने की पहली तारीख को मिलने वाले वेतन में है, तो वह %कर्मयोगी% नहीं है। इसी तरह, आप एक पिता या मां, बेटी या बेटे, पति या पत्नी किसी भी भूमिका में %कर्मयोगी% हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, एक %कर्मयोगी% पिता वास्तव में अपने बच्चे के जीवन में रुचि लेता है, वह अपने बच्चे के मन को समझता है। उसका बेटे या बेटी किस दिशा में जा रहे हैं, उनकी रुचियां क्या हैं, इन सभी विषयों पर ध्यान देता है। अर्जुन, भगवान कृष्ण से कहते हैं कि मन को नियंत्रित करना बहुत कठिन है, जिस पर भगवान कृष्ण ने कहा- %मन जहां भी जाता है उसे कुशलतापूर्वक वापस ले आओ।% मन से लड़ते मत! यह बिस्कुल अपने बच्चों को घर वापस लाने जैसा है। यह वैसा ही है, जैसे यदि आप किसी छात्र या किशोर से कुछ न करने के लिए कहें, तो वे वही करना चाहेंगे। आपको मन एक किशोर की तरह है जिसे आप अपने साथ लेकर घूम रहे हैं और यह परिपक्व नहीं हुआ है। यह ऐसा कुछ भी नहीं करना चाहता जिसे आप इसे करने के लिए कहें, तो आप इसे घर वापस कैसे लाएंगे?- कुशलता से!

## सत्य और विरोधाभास

यदि आप भगवद् गीता को आरंभ से अंत तक पढ़ेंगे तो पाएंगे कि इसमें कितने विरोधाभास हैं! कृष्ण ने अर्जुन के सामने विरोधी तर्क रखकर उसे पूरी तरह भ्रमित कर दिया है। कई लोगों ने इनमें %समन्वय% लाने का प्रयास किया है, अर्थात् उन्होंने विरोधाभास को समाप्त करने की कोशिश की है, किंतु मेरा विचार भिन्न है। आपको इन विरोधाभासों को मिटाने का प्रयास नहीं करना चाहिए। सत्य विरोधाभास में ही प्रकट हो सकता है। सत्य सदैव विरोधाभासी होता है। उदाहरण के लिए किसी विशेष स्थान पर जाने के लिए, आप कह सकते हैं-%दाएं जाओ और बाएं मुड़ो% या %दाएं जाओ और बाएं मुड़ो%। दोनों सही हो सकते हैं। यह %गोलाकार सोच% है, जो धर्मशास्त्र या दर्शन की दुनिया के लिए सबसे बड़ा उपहार है। यह दुनिया के किसी अन्य भाग में मौजूद नहीं है। उदाहरण के लिए, पश्चिम में लोग इस बात पर ध्रुमित हैं और सोच रहे हैं, %यदि ईश्वर सर्वव्यापी है, तो शैतान को कहां स्थान दिया जा सकता है?% आप शैतान को %रख% नहीं सकते। यदि आप ऐसा करते हैं, तो ईश्वर सर्वव्यापी नहीं है! यही है न? लेकिन पूर्व में यही विरोधाभास, समग्रता के एक अंश के रूप में सह-अस्तित्व में स्वीकृत किया गया है और यही अद्वैत है।

# प्रलय का टंबोरा और पर्यावरण की तबाही का हॉरर शो

अमेरिका में जून में भारी बर्फ पड़ी। इतनी सदी पड़ी कि पक्षी जम गए। मवेशी मर गए। खेती तबाह। लोगों को कबूतर और रैकून खाने पड़े। यूरोप में भूखमरी फैली। खाने के लिए दंगे होने लगे। फ्रांस और इंग्लैंड में भारी राजनीतिक अस्थिरता के हालात बने। आयरलैंड में टायफाइड फैला। मौसम के असर से लोगों को प्रतिरोधक क्षमता टूट चुकी थी। साल 1815 में इंडोनेशिया में माउंट टंबोरा ज्वालामुखी में विस्फोट मानव इतिहास की सबसे भयानक घटना थी। टंबोरा के फटने से राख और गर्द दस मील तक ऊपर उठी और 19 मील के इलाके में फैल गई। सल्फर डाइऑक्साइड के एयरसोल ने हवा पर कब्जा कर लिया। गर्द और सल्फर डाइऑक्साइड ने सूर्य की गर्मी रोक ली थी। पूरी दुनिया में तापमान तेजी से गिरा। बारिश और बर्फबारी की प्रलय आ गई...गर्मियां खत्म हो गईं। नवंबर के आखिरी सप्ताह में जर्मनी की सरकार ने एलान किया कि लोग घरों से बाहर न निकलें। बर्फीले तूफान जो चल रहे हैं। म्यूनिख के हवाई अड्डे पर इतनी बर्फबारी हुई कि जहाज बर्फ में ढक गए। मध्य यूरोप में 20 इंच मोटी बर्फबारी हुई है। पूर्वी यूरोप के बल्गारिया में सदी के कारण इमर्जेंसी लगा दी गई। एक के बाद एक देश में बिजली नेटवर्क बंद गया है। ट्रेनें बंद हैं। मौसम कहर बरपा रहा है। इतनी ठंड यूरोप के लिए भी जानलेवा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद गैस की किल्लत है। महंगाई है। बर्फीले तूफानों के बीच घरों की हीटिंग का बिल यूरोपीय लोगों को गरीब कर रहा है। इधर भारत में सदी में गर्मियों का अहसास है। अल नीनो के असर से तापमान सामान्य से ज्यादा



है। 2023 की गर्मियां भी वक्त से पहले आ गई थीं। आइए, पकड़िए अपनी सीट टाइम मशीन में। हम आपको ले चलते हैं एक ऐसे दौर में, जहां पर्यावरण के बदलावों ने सियासत से लोगों की जिंदगी तक तूफान ला दिया। जब तक यह टाइम मशीन आपको 200 साल पीछे ले जाए, तब तक स्क्रीन पर आप एक फिल्म के कुछ दृश्य देखिए। यह चल रहे हैं। म्यूनिख के हवाई अड्डे पर इतनी बर्फबारी हुई कि जहाज बर्फ में ढक गए। मध्य यूरोप में 20 इंच मोटी बर्फबारी हुई है। पूर्वी यूरोप के बल्गारिया में सदी के कारण इमर्जेंसी लगा दी गई। एक के बाद एक देश में बिजली नेटवर्क बंद गया है। ट्रेनें बंद हैं। मौसम कहर बरपा रहा है। इतनी ठंड यूरोप के लिए भी जानलेवा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद गैस की किल्लत है। महंगाई है। बर्फीले तूफानों के बीच घरों की हीटिंग का बिल यूरोपीय लोगों को गरीब कर रहा है। इधर भारत में सदी में गर्मियों का अहसास है। अल नीनो के असर से तापमान सामान्य से ज्यादा

पसीं बी शैली के साथ उनका विवाद इसके बाद हुआ। हालांकि फ्रैंकस्टाइन की कल्पना के वक्त वह पी बी शैली के साथ थीं। अब तक आप 1816 का साल देखकर खौफ से कांप रहे होंगे। वह इतिहास के सबसे भयावह वर्षों में एक था। उसे %ईयर विदाउट समर% के तौर पर याद किया जाता है यानी ऐसा वर्ष, जिसमें गर्मी नहीं पड़ी। यूरोप में आपको पता चलेगा कि एक साल पहले इंडोनेशिया में माउंट टंबोरा ज्वालामुखी में विस्फोट हुआ था। वह मानव इतिहास का सबसे भयानक 200 साल पीछे ले जाए, तब तक स्क्रीन पर आप एक फिल्म के कुछ दृश्य देखिए। यह चल रहे हैं। म्यूनिख के हवाई अड्डे पर इतनी बर्फबारी हुई कि जहाज बर्फ में ढक गए। मध्य यूरोप में 20 इंच मोटी बर्फबारी हुई है। पूर्वी यूरोप के बल्गारिया में सदी के कारण इमर्जेंसी लगा दी गई। एक के बाद एक देश में बिजली नेटवर्क बंद गया है। ट्रेनें बंद हैं। मौसम कहर बरपा रहा है। इतनी ठंड यूरोप के लिए भी जानलेवा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद गैस की किल्लत है। महंगाई है। बर्फीले तूफानों के बीच घरों की हीटिंग का बिल यूरोपीय लोगों को गरीब कर रहा है। इधर भारत में सदी में गर्मियों का अहसास है। अल नीनो के असर से तापमान सामान्य से ज्यादा

मवेशी मर गए। लोगों को कबूतर और रैकून (एक स्तनधारी जानवर) खाने पड़े। अमेरिका में उत्तर पश्चिम से मध्य की तरफ बड़ा पलायन हुआ। उसी दौरान नवंबर में हुए चुनावों में कांग्रेस के अधिकांश सदस्यों को हार का मुंह देखना पड़ा। उस बेहद भयावह मौसम में अमेरिका में धर्मांधता बढ़ी और नए संप्रदाय भी बने। अब हम चलते हैं यूरोप की तरफ, फ्रैंकस्टाइन से मिलने। यूरोप में फसलें तबाह होने से भूखमरी फैली। खाने के लिए दंगे हुए। फ्रांस और इंग्लैंड में भारी राजनीतिक अस्थिरता के हालात बनते दिखाई देंगे। 1816 और 1817 में फसलें तबाह होने के कारण बड़ी आबादी को अपने इलाके छोड़ने पड़े। आयरलैंड में टायफाइड फैला। मौसम के असर से लोगों की प्रतिरोधक क्षमता टूट चुकी थी। 1817 में हैजा महामारी का पहला विस्फोट हुआ। शुरुआत हुई भारत के जैसूर से, जो कोलकाता और ढाका के बीच था। हजारों मौतें हुईं। महामारी पूरी दुनिया में फैली। टाइम मशीन में आपको पता चलेगा कि जावा (आज के इंडोनेशिया) में एक लाख लोग मारे गए। भयावह मौसम, बेशुमार सकट और चौराफा मुसीबतों के बीच ब्रिटेन के अभिजातों का एक दल जिनेवा की यात्रा पर था। वे वहां गर्मियों की छुट्टियां बिताते गए थे। मैरी गॉडविन अपने होने वाले पति पीबी शैली के साथ इस समूह का हिस्सा थीं। अंग्रेजी के मशहूर रोमांटिक कवि लॉर्ड बायरन भी उनके साथ थे। बायरन के साथ उनके निजी डॉक्टर भी गए थे। मैरी की बहन क्लेयर क्लैयरमाउंट, लॉर्ड बायरन की प्रेमिका थीं। ब्रिटेन के कवियों, लेखकों के

इस समूह को मौसम ने उनके विला में बंद कर दिया। मैरी गॉडविन ने उस दौरान बायरन और पीबी शैली के बीच लंबी बौद्धिक वार्ताएं सुनी थीं, जो दर्शन से लेकर जीवन के सिद्धांत और विज्ञान तक फैली थीं। फेटेसामैगोरिना जर्मन हॉरर कहानियों का मशहूर संकलन है। लॉर्ड बायरन इससे प्रभावित थे। भयावह मौसम के बीच घर में बंद इन समूह के सदस्यों के पास कुछ काम नहीं था। सो बायरन ने सभी को अपनी सबसे खौफनाक कल्पनाएं सुनाने का काम सौंपा। सब अपनी-अपनी कल्पना में खौफ की कथाएं बून रहे थे। असर ऐसा था कि कई सदस्यों को डराने सपने आते थे। कहते हैं, मैरी गॉडविन या मैरी शैली को इसी दौरान एक बुरा सपना आया। उस सपने से उन्हें फ्रैंकस्टाइन नामक चरित्र का सूत्र मिला था। फिर मैरी शैली ने अपनी अमर कृति फ्रैंकस्टाइन लिखी, जिसमें एक सनकी वैज्ञानिक है, जो मरे हुए मनुष्य के शरीर तैयार कर उसे जीवित करता है। उस लाश में अभूतपूर्व ताकत होती है। वह मानव राक्षस यानी फ्रैंकस्टाइन अपने निर्माता यानी वैज्ञानिक को मारकर पूरी आबादी पर कहर बरपा देता है। कहते हैं, फ्रैंकस्टाइन ने लोकप्रियता में अपने खौफनाक पूर्वज डैकुला को भी पीछे छोड़ दिया था। आज भी यह चरित्र अलग-अलग तरीकों से हॉरर फिल्मों में नमूदा रहता है, जिसकी रचना के पीछे पर्यावरण का कहर था। टाइम मशीन यूरोप से लौटकर दुबई आ गई है, जहां दुनिया के नेता जुटे तो, मगर पर्यावरण की तबाही के हॉरर शो को रोकने पर राजी नहीं हुए। मिलते हैं अगली यात्रा में।

# धूप आने दो- शिव ने क्यो किया यमराज का संहार, मार्कण्डेय के लिए इसलिए तोड़ा अपना ही बनाया नियम

यमराज ने जैसे ही मार्कण्डेय को स्पर्श किया, उन्हें लगा कि कोई उनका गला दबा रहा है। यमराज बहुत प्रयास के बाद भी शिव के पाश से मुक्त नहीं हो सके। कुछ ही क्षण में उनकी श्वास रुक गई... महर्षि भृगु के वंश में मुकुंद नाम के एक तेजस्वी ऋषि हुए। उनकी कोई संतान नहीं थी। मुकुंद और उनकी पत्नी ने भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए कठोर तप किया जिससे प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें दर्शन दिए और वरदान मांगने को कहा। मुकुंद और उनकी पत्नी ने शिव से एक पुत्र मांगा। शिव ने कहा, 'मैं आपको दीर्घायु पुत्र प्रदान कर सकता हूँ किंतु वह अल्पवृद्ध होगा, अथवा आपको बुद्धिमान पुत्र मिल सकता है किंतु उसकी आयु कुल सोलह वर्ष होगी। आपको कैसा पुत्र चाहिए?' मुकुंद ने कहा, 'दीर्घायु पुत्र होना अच्छी बात है किंतु यदि वह अल्पवृद्ध हुआ तो हमारा कष्ट बढ़ जाएगा। इसलिए आप हमें ऐसा पुत्र दीजिए जो भले

ही अल्पायु हो किंतु उसका यश चिरस्थायी हो।' शिव ने 'तथास्तु' कहा और अंतर्धान हो गए। कुछ समय बाद मुकुंद की पत्नी ने एक तेजस्वी बालक को जन्म दिया। उसका नाम मार्कण्डेय हुआ। उन्हें बचपन में ही वेद और शास्त्र कंठस्थ हो गए। उसके ज्ञान और यश का डंका बजने लगा। समय बीता और एक दिन मार्कण्डेय का सोलहवां जन्मदिवस आ गया। मुकुंद और उनकी पत्नी दुखी थे क्योंकि शिव के वरदान के अनुसार मार्कण्डेय का जीवन समाप्त होने वाला था। मार्कण्डेय ने माता-पिता से उनके दुख का कारण पूछा तो मुकुंद ने उसे सारी बात बताई। बालक मार्कण्डेय ने तत्काल एक पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया तथा शिव की उपासना शुरू कर दी। उसके प्राण लेने यमदूत आ गए किंतु किसी अदृश्य शक्ति ने उन सबको बालक मार्कण्डेय से दूर खदेड़ दिया। कई बार प्रयास करने के बाद भी जब यमदूत, बालक



मार्कण्डेय के प्राण लेने में सफल नहीं हुए तो मृत्यु के देवता यमराज को स्वयं आना पड़ा। यमराज ने मार्कण्डेय के गले में अपना फंदा डाल दिया। जैसे ही यमराज ने फंदा खींचा, मार्कण्डेय ने शिवलिंग को कसकर पकड़ लिया और मंत्र उच्चारित करते हुए शिव का आह्वान करने लगा। मार्कण्डेय की भक्ति देख शिव स्वयं

उसकी सहायता के लिए आ गए। यमराज ने देखा कि देवाधिदेव शिव, उनका मार्ग रोककर खड़े थे। 'बालक को छोड़ दो,' शिव ने यमराज को आज्ञा दी। यमराज बोले, 'आपने ही मार्कण्डेय को सोलह वर्ष की आयु प्रदान की थी। वह अवधि पूर्ण हो चुकी है। मैं इसे लेने आया हूँ। परंतु मैंने विचार बदल दिया है। मैं

मार्कण्डेय को अमरता का वरदान देता हूँ।' शिव ने उत्तर दिया। 'यह प्रकृति के नियमों के विरुद्ध है,' यम ने डरते हुए कहा। शिव ने यमराज से कहा, 'मैं जीवन हूँ और मैं ही मृत्यु हूँ। मार्कण्डेय के लिए मैं अपना ही बनाया नियम तोड़ रहा हूँ। आज से मार्कण्डेय अमर है!' यमराज, शिव से सहमत नहीं हुए। उन्होंने आगे

बढ़कर जैसे ही मार्कण्डेय को स्पर्श करना चाहा तो इस बार यमराज को लगा कि कोई उनका गला दबा रहा है। यमराज ने बहुत प्रयास किया किंतु वह शिव के पाश से मुक्त नहीं हो सके। कुछ ही क्षण में यमराज की श्वास रुक गई और उनका अंत हो गया! यह भयानक दृश्य देखकर देवतागण, शिव के पास आए और उन्होंने सृष्टि के संतुलन के लिए शिव से यमराज को पुनर्जीवित करने का आग्रह किया। वे बोले, 'हे महादेव, जो सबका अंत करता है, आपने उस काल का अंत कर दिया। इस कारण आपको एक नाम 'कालंतक' होगा। मार्कण्डेय ने आपके आह्वान के लिए जो मंत्र उच्चारित किया था, वह 'महामृत्युंजय मंत्र' कहलाएगा और इसका पाठ करने वाले को मृत्यु का भय नहीं रहेगा।' इसके बाद शिव ने यमराज को फिर से जीवनदान दे दिया। कहते हैं, पृथ्वी पर आठ लोगों को अमरता का वरदान प्राप्त है, जिनमें मार्कण्डेय भी शामिल हैं।

# अकेलापन महसूस करने में शर्मिंदगी कैसी, मिलने-जुलने से खुलेंगे संबंधों के बंद द्वार

सोशल मीडिया पर लाइक कर देना काफी नहीं। लोगों से मिलना-जुलना शुरू करें, संबंधों के बंद द्वार खुद-ब-खुद खुल जाएंगे। मनः प्रसादः सौम्यत्व मौनमातृव्यविनयः। भावसंशुद्धिरित्येतत्पौ मानसमुच्यते। अर्थात् मन में संतुष्टि का भाव, सभी प्राणियों के प्रति आदर का भाव, केवल ईश्वरीय चिन्तन का भाव, मन को आत्मा में स्थिर करने का भाव और सभी प्रकार से मन को शुद्ध करना, मन सम्बन्धी तप कहा जाता है।



आत्मसम्मान की भावना में भी कमी आ सकती है। हालांकि वह यह भी मानते हैं कि अकेलापन एक मौलिक मानवीय अनुभव है। उनके अनुसार जैसे हम भूख व थकावट अनुभव करते हैं, ठीक वैसे ही सभी कभी-कभी अकेलेपन का भी अनुभव करते हैं। समाज में जो संबंध हम बनाते हैं, वे जब टूटते हैं, तो पूरे शरीर पर असर डालते हैं। एक सवे के मुताबिक आज आधे से ज्यादा अमेरिकी अकेलेपन के शिकार हैं। 400 फूट्स एंड नो वन टु कॉल के लेखक 69 साल के बाल वॉकर अपना एक सामाजिक नेटवर्क तैयार करने के लिए काफी मेहनत की।

लेकिन उन्हें अकेलेपन का एहसास तब हुआ, जब जरूरत होने पर भी उनका साथ देने के लिए कोई भी मौजूद नहीं था। संबंधों से जो आपको अपेक्षा है, वह अगर पूरी न हो रही हो, तो भी आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं। डॉ मूर्ति के अनुसार संबंधों को बनाए रखने के लिए आपको लगातार कोशिश करते रहनी होती है और ईमानदारी भी बरतनी होती है। आज के युवा मोबाइल की छोट्टी-सी स्क्रीन पर जिसे कनेक्शन मानते हैं, उसका लोगों से कनेक्ट होने से कोई लेना-देना नहीं होता। महज सोशल मीडिया पर लाइक करने या मैसेज भेज देने

पर से आप लोगों से कनेक्ट नहीं हो जाते। इसके बजाय आपको लोगों से मिलने की कोशिश करनी चाहिए। इससे संबंधों के बंद द्वार फिर से खुल सकते हैं। शिकागो यूनिवर्सिटी के शोध वैज्ञानिक लुइस हॉकले के अनुसार अगर आप किताबी कीड़े हैं, तो आप यह न सोचें लोग आपके दोस्त बनना पसंद करेंगे। साझा मूल्य व साझा हित ही दोस्ती की नींव रखते हैं। रिश्ते बनने में समय लगता है, शुरुआत में ही ज्यादा अपेक्षाएं न रखें। सामाजिक नेटवर्क को व्यापक बनाते का एक तरीका स्वयंसेवा भी है। ब्रिटेन में दस हजार स्वयंसेवकों पर किए गए एक अध्ययन में करीब दो-तिहाई स्वयंसेवक इस बात पर सहमत थे कि स्वयंसेवा से उन्हें कम अलग-थलग महसूस होता है। ज्यादा से ज्यादा लोगों से बात करने की कोशिश करने से आपको खुलने का मौका मिलेगा। लोगों को तौलते रहने के बजाय, उन्हें समझने की कोशिश आपको ज्यादा लोकप्रिय बनाएगी। डॉ हॉकले के अनुसार, अकेलेपन से प्रस्त लोगों का खुद पर जितना वह सोचते हैं, उससे ज्यादा नियंत्रण होता है।

## मोदी के भारत में किस हाल में हैं चार %जातियां%, क्यों पिछड़ी है आधी आबादी

चारों 'जातियों' का बड़ा हिस्सा गरीब और दुखी है तथा उन्हें मोदी सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों पर बहुत ज्यादा भरोसा नहीं है। उन्हें यह मालूम है कि सरकार का झुकाव अमीरों की तरफ है। किसानों की चुप्पी सरकार की नीतियों का अनुमोदन या सहमति नहीं है। यह चुप्पी इसलिए है, क्योंकि वे गरीब हैं। यह सर्वमान्य तथ्य है कि देश में चार जातियां हैं। सही मायनों में देश में चार वर्ण और अनगिनत जातियां हैं, जिनकी संख्या हजारों में है। चार वर्ण हैं- ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र। तथाकथित %अछूत% कही जाने वाली जाति को %शूद्र% के नीचे रखा गया था, जिन्हें अब दलित कहा जाता है। दरअसल वर्ण भारत के लिए अधिशाप रहे हैं-जिनसे पदानुक्रम पैदा हुए, पूर्वाग्रह मजबूत हुए, रोजगार को अलग-थलग किया गया, गतिशीलता नकारा गई और करीब एक-चौथाई आबादी को विकास का स्वाद चखने से दूर रख गया। इसलिए, मैं प्रधानमंत्री मोदी द्वारा चार जातियों की दी गई परिभाषा का स्वागत करता हूँ, जो गरीब, युवा, महिलाएं और किसान हैं। हालांकि मुझे %जाति% शब्द पसंद नहीं है। लेकिन एक तरफ छोड़कर, हम अपने आप से यह सवाल पूछें कि मोदी के भारत में ये चार %जातियां% किस हाल में हैं। यूएनडीपी के अनुमान के अनुसार, भारत में 22.8 करोड़ लोग गरीब हैं, जो जनसंख्या का 16 प्रतिशत है। हालांकि यह आकलन गरीबी को मापने के बेहद निम्न पैमाने पर आधारित है, जिसमें शहरी इलाकों में प्रति महीने प्रति व्यक्ति आय 1,286 रुपये और ग्रामीण इलाके में 1, 089 रुपये है। वर्ष 1991 में शुरू की गई उदारकरणीय नीति को धन्यवाद देना चाहिए, जिसके कारण लाखों लोग गरीबी से बाहर आ सके। लेकिन इन आंकड़ों पर विचार करें। देश की निचली 50 प्रतिशत आबादी के पास केवल तीन प्रतिशत संपत्ति है और वे कुल राष्ट्रीय आय का केवल 13 फीसदी अर्जित करते हैं। इस वर्ग में 32.1 प्रतिशत बच्चे कम वजन के, 19.3 प्रतिशत कमजोर और 35.5 प्रतिशत बौने हैं। 15 से 49 आयु वर्ग की 50 प्रतिशत से ज्यादा महिलाएं खून की कमी यानी एनीमिया से पीड़ित हैं। सरकार ने अगले पांच साल तक 81 करोड़ लोगों यानी 57 प्रतिशत आबादी को प्रति व्यक्ति प्रति माह पांच किलोग्राम मुफ्त राशन देना आवश्यक समझा। इस्का साफ मतलब है कि देश में बड़े पैमाने पर कुपोषण और भूखमरी है। स्टैट ऑफ वर्किंग इंडिया रिपोर्ट, 2023 (अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी) और आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार, 2017-18 और 2022-23 के बीच तीन प्रकार के श्रमिकों की मासिक कमाई स्थिर रही है। ऐसे में मात्र 16 प्रतिशत आबादी को गरीब आंकना गलत है।



## लायंस क्लब गौरव के अधिष्ठापन समारोह आयोजित

लायंस क्लब समाज सेवा के कार्यों में अग्रणीय भूमिका का निर्वाह कर रहा है-पंकज विजलवान डिस्ट्रिक्ट गवर्नर

नई कार्यकारिणी को दिलाई शपथ

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापड़। लायंस क्लब गौरव के तत्वावधान में रेलवे रोड पर स्थित रॉयल पैलेस में अधिष्ठापन समारोह धूमधाम के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पंकज विजलवान, इंटरनेशनल डायरेक्टर एंड्रॉसी विनय मित्तल, वी डी जी 1 अशोक मित्तल, वी डी जी 2 विनय सिसोदिया, डिस्ट्रिक्ट कैबिनेट सेक्रेटरी नवनीत कलीवाल ने दीप प्रज्वलित करके समारोह का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पंकज विजलवान ने कहा लायंस क्लब समाज सेवा के कार्यों में अग्रणीय भूमिका का निर्वाह कर रहा है। समाज सेवा एक पुण्य कार्य है। इसके कारण लोग अमर हो जाते हैं उन्हें सदियों तक याद किया जाता है। अधिष्ठापन अधिकारी अशोक मित्तल ने नई



कार्यकारिणी में पारल ज़िंदल को अध्यक्ष, डा आराधना बाजपेई को सचिव एवं डा सीमा सिंह को कोषाध्यक्ष पद एवं आरती को पी आर ओ पद की शपथ दिलाकर आशा व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था को पारल ज़िंदल का नेतृत्व ऊंचाइयों की ओर ले जायेगा। नवनिर्वाचित अध्यक्ष पारल ज़िंदल ने कहा कि वह समाज सेवा के कार्य करते हुए नित नूतन मानदंड स्थापित करेंगे। अपने इस गौरव संस्था को गौरव प्रदान करेंगे। सचिव डा आराधना बाजपेई ने कहा स्वास्थ्य, पर्यावरण, एवं शिक्षा पर कार्य अधिक किया जाएगा। पूर्व अध्यक्ष सिमरन गोयल ने कहा कि पूरे वर्ष साथियों का जो स्नेह मिला

वह अवर्गनीय है। मंच का संचालन करते हुए डा अनिल बाजपेई ने अशफाक, बिस्मिल, ठकुर रोशन सिंह, राजेंद्र लाहिड़ी, स्वामी श्रद्धानंद एवम गुरु गोविंद सिंह के चार साहिबजादों के बलिदान को याद करते हुए काव्यपाठ किया। विशिष्ट अतिथि इन ऑफिसर विनय मित्तल ने कहा कि नारी शक्ति द्वारा शहीदों का बलिदान को याद करके नमन करना यह अत्यंत प्रशंसनीय है। संभवतया यह डिस्ट्रिक्ट के सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स से से एक है। इसके लिए उन्होंने पारल ज़िंदल, आराधना बाजपेई, डा सीमा सिंह एवं आरती को डिस्ट्रिक्ट अवार्ड प्रदान करने की घोषणा भी की। विशिष्ट अतिथि विनय सिसोदिया ने पारल

जिंदल के कार्यों की सराहना की। डिस्ट्रिक्ट कैबिनेट सेक्रेटरी नवनीत कलीवाल ने कहा लायंस क्लब गौरव ने अल्प समय में ही बहुत शानदार प्रोजेक्ट्स किए हैं। बिजेन्द्र गर्ग लोहे वाले, मनीष दुआ, कोमल, केतकी गुप्ता, विशाल मल्होत्रा, अनुज गोयल, पवन अग्रवाल, मनोज गोयल, को सम्मानित किया गया। पारल ज़िंदल, डा आराधना बाजपेई, एवं सिमरन गोयल को इंटरनेशनल पिन से सम्मानित किया गया। यश ने गणेश वंदना एवं रेखा सिंह ने स्वागत गान प्रस्तुत हत किया। इंजीनियर आयुष बाजपेई ने गीत से सभी का मन मोह लिया और बाद में तीनों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जागृति, दीपिका, शालू ग़ोवर, मधु, रेखा, डा सुनीता शर्मा, सुनीता स्वामी, मधु, गरिमा त्यागी, सोना संतोष सुनीता शर्मा का सहयोग सराहनीय रहा। ललित गोयल, प्रमोद ज़िंदल, सुशील मित्तल, मयंक, सजीव, सोरभ, सचिन चौधरी, सचिन ज़िंदल, अरुणेश, संदीप, अनुज गोयल, पवन अग्रवाल, विशाल मल्होत्रा उपस्थित थे।

## गोवंश बचाने में अनियंत्रित बाइक सवार सड़क पर गिरा उम्फर ने कुचला युवक की मौत

द अचीवर टाइम्स मुकेश राजपूत उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र के कब्बा खेड़ा निवासी राजकुमार (35) पुत्र रामप्रसाद धरेलू बिजली वायरिंग का काम करता था। रविवार देर शाम को काम करके अपने साथी राजन के साथ बाइक से वापस उन्नाव जा रहा था। माखी थाना क्षेत्र के बौनामऊ के पास सामने एक गोवंश आ गया जिससे बचने में अनियंत्रित होकर रोड पर गिर गया पीछे से आ रहे उम्फर ने उसे कुचल दिया जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई वा साथी राजन गम्भीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंचे नाथा प्रभारी वीरबहादुर सिंह ने बताया कि घायल को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भेज दिया है एवं शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

## कश्यप समाज संगठन के अध्यक्ष के आह्वान पर हापड़ से गाजियाबाद में कश्यप समाज के लोग हुए एकत्रित सभी लोगों का पटका व फूल माला पहनकर किया सम्मान



द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापड़। से रविवार को कश्यप समाज संगठन के अध्यक्ष नागेंद्र कश्यप के आह्वान पर गाजियाबाद में कश्यप समाज एकत्रित हुआ वहीं अन्य प्रदेश से भी कश्यप समाज के लोग एकत्रित हुए तो वहीं जिला हापड़ से महर्षि कश्यप निषाद युवा जागृति

संस्था के जिला अध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारी भी गाजियाबाद में आयोजित कश्यप समाज संगठन समारोह में सम्मिलित हुए एवं सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं का सम्मान समारोह में हापड़ से कश्यप समाज की मुख्य संस्थाओं के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता का पटका व फूल माला पहनकर जोरदार

को आगे बढ़ाना है और समाज की आवाज को बुलंद करना है। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट विनीत कश्यप करंट सलाहकार वर्तमान अध्यक्ष, यशपाल सिंह कश्यप, राजेश्वर कश्यप, डॉक्टर हरीश कश्यप, राधेश्याम कश्यप, अनिल कश्यप, दीपक कश्यप आदि लोग मौजूद रहे।

## एक नज़र

### हिस्ट्रीशीट बद्माश सहित दो बद्माशों से एक किलो नकली चांदी व अवैध तमंचे बरामद

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापड़। पुलिस ने 2 हिस्ट्रीशीट बद्माशों को एक किलो चांदी व अवैध तमंचे 315 वोर कारतूस के साथ दो गिरफ्तार किया है



जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाये जाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के अन्तर्गत थाना हापड़ नगर पुलिस ने नकली चांदी बेचते हुए बादल पुत्र जयप्रकाश निवासी चमरी व कृष्ण महावीर निवासी सादिकपुर थाना हाफिजपुर को चित्तौली रोड से गिरफ्तार किया आरोपियों के कब्जे से 16 जोड़ी ताजेब, 8 सिक्के व अवैध तमंचा 315 वोर जिंदा कारतूस बरामद किया गया आरोपियों के खिलाफ समुद्र धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर न्यायालय में पेश किए गए न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिए गए !

### दिव्यांग खेलकूद प्रतियोगिता पर ह्यूमन एविलिटी फाउंडेशन ने की चर्चा

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापड़। में दिन रविवार को नगर पालिका परिषद हापड़ में ह्यूमन एविलिटी फाउंडेशन द्वारा आगामी 25 फरवरी 2024 को एस. एस. वी डिग्री कालिज में होने वाली दिव्यांग खेलकूद



प्रतियोगिता पर चर्चा की गई। जिसमें अध्यक्ष सतीश कुमार ने बताया कि लगभग काफी फार्म दिव्यांग खेलकूद प्रतियोगिता मेले के लिए भरे जा सके चुके हैं। दिव्यांग लोग खेलकूद मेले को लेकर काफी उत्साहित नजर आए जो जीतोड़ महानत कर रहे। इस खेलकूद मेले में क्रिकेट, साइकिल दौड़, भाला फेंक, भाषण आदि प्रतियोगिताएं की जायेंगी। इस सभा का संचालन नीरज कुमार ने किया व कोषाध्यक्ष मुनेक कुमार, राकेश वर्मा, आसिफ, कपिल शर्मा, मुकेश, अमित आदि लोग मौजूद रहे।

### डेरी प्लांट से लौट रहे युवक को बद्माशों ने लारी-डंडों से मारपीट कर किया घायल 80 हजार रुपये छीनकर फरार।

द अचीवर टाइम्स सवादाता

बांगरमऊ- उन्नाव। डेरी प्लांट से लौट रहे युवक को बद्माशों ने लारी-डंडों से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने के बाद, 80 हजार रुपये छीनकर फरार हो गए, इसके बाद पहुंचे परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर उसे सीएचसी में भर्ती कराया। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के लक्ष्मीखेड़ा गांव के पास का है जहाँ पर शिवबक्श खेड़ा गाँव निवासी रूप सिंह 35 पुत्र रामेश्वर शनिवार देर शाम अपनी दुधडेरी की मशीन लेने 80,000 रुपये लेकर समीपस्थ स्थित प्लांट पर गया था। जहाँ मशीन न मिलने पर वह वापस अपने गांव लौट रहा था। तभी लक्ष्मीखेड़ा गाँव के समीप पहुँचते ही पहले से छड़े 05 लोगों ने उसकी बाइक रोक ली और मारपीट करने लगे जिससे युवक का पैर टूट गया और घायल हो गया। उसके जेब में रखे 80, 000 रुपये की नगदी लेकर फरार हो गए। घायल न फोन कर परिजनों को घटना की जानकारी दी। जिसके बाद मौके पर पहुँचे परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर घायल को सीएचसी में भर्ती कराया। जहाँ पर डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

### दो पक्षों की लड़ाई को लेकर एक दूसरे के छप्पर में लगाई आग गृहस्थी जलकर हुई राख

द अचीवर टाइम्स मुकेश राजपूत

उन्नाव। माखी थाना क्षेत्र के गांव करीमाबाद में दो पक्षों में मारपीट को लेकर व छप्पर में आग लगाने का आरोप लगा पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पावा चौकी क्षेत्र के करीमाबाद निवासी सुभाष व रामनरेश साथ में रह कर मजदूरी का काम करते हैं। किसी बात को लेकर 22 दिसंबर को दोनों में मार पीट हो गई जिसके बाद सुभाष ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 22 दिसम्बर को गांव का ही रहने वाला रामनरेश मजदूरी करने अपने साथ ले गया था। जिसके बाद किसी बात को लेकर शुरूवार को देर शाम मुझे रामनरेश ने मुझे मारा पीटा उसके बाद छप्पर में आग लगा दी। गृहस्थी का सामना जल कर राख हो गया।

वही 23 दिसंबर को रामनरेश के पिता धर्मराज के छप्पर में अचानक आग लग गई जिससे गेहूँ, धान, भूसा,कपड़े, छप्पर के नीचे बंधी एक बकरी सहित लगभग 30 हजार का सामान जल कर राख हो गया। वही छप्पर के नीचे अन्य मवेशियों को बचाने में रामनरेश की पत्नी सीमा हल्की झुलस गई जिसकी लिखित तहरीर राम नरेश के पिता धर्मराज पुलिस तहरीर देकर गांव के ही सुभाष पर छप्पर में आग लगाने का आरोप लगाया जिसके बाद पुलिस ने मारपीट और आग लगाने की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी वीरबहादुर सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

## ऑल इंडिया हिंदुस्तान कांग्रेस पार्टी द्वारा पं० मदन मोहन मालवीय व चौ० चरण सिंह की जयंती का कार्यक्रम सम्पन्न

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापड़। ऑल इंडिया हिंदुस्तान कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश के नेतृत्व में पंडित मदन मोहन मालवीय एवं चौधरी चरण सिंह की जयंती का कार्यक्रम पार्टी प्रदेश कार्यालय कुचेसर रोड चौपाला में सम्पन्न हुआ, कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित मदन मोहन मालवीय एवं चौधरी चरण सिंह के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर और पुष्प अर्पित कर हुआ, कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष पंडित गोपाल शर्मा ने की व संचालन पंडित हरिदत्त शर्मा ने किया, कार्यक्रम के संयोजक पंडित अजय शर्मा जिलाध्यक्ष हापड़ व सहसंयोजक नरेंद्र शर्मा जिला अध्यक्ष किसान प्रकोष्ठ, पंडित सुनील शर्मा जिला अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ हापड़ रहे। कार्यक्रम में



मुख्य अतिथि पंडित सोमदत्त शर्मा राष्ट्रीय प्रवक्ता डब्ल्यू बी एफ, विशिष्ट अतिथि पंडित माया प्रकाश शर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष डब्ल्यू बी एफ., पंडित नरेश चंद्र शर्मा हापड़ बार एसोसिएशन वरिष्ठ अधिवक्ता,

डॉक्टर एस.के. कौशिक संयोजक हापड़ लोकसभा क्षेत्र बनाओ, पंडित हर्ष शर्मा उत्तर प्रदेश बार काउंसिलिंग आयकर इनकम टैक्स अध्यक्ष, अनिल बाजपेई प्रसिद्ध कवि भारत रहे, जयंती कार्यक्रम में आए हुए तथा उपस्थित समाजसेवी व पत्रकार बंधुओ को प्रतीक देकर सम्मानित किया गया।

सभी विशिष्ट अतिथियों ने पंडित मदन मोहन मालवीय एवं चौधरी चरण सिंह के देश हित में किए गए अपने जीवन काल के योगदानों का उपस्थित लोगों को समझाया।

## स्वर्गीय गंगा बिशन को नमन कर दी समाजसेवीयो ने पुष्पांजलि



द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापड़। सदर विधानसभा-59 के अल्लहबक्शपुर उर्फ बागडुपुर गांव में रविवार को लेखराज सिंह व जगदीश सिंह के पिता गजे सिंह प्रधान के दादा स्वर्गीय गंगा बिशन की अरेष्ट्री में पहुंचे समाजसेवीयो ने स्वर्गीय गंगा बिशन की अरेष्ट्री में सम्मिलित हुए और स्वर्गीय गंगा

बिशन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन करते हुए उनकी आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना कर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके परिवारजनों को इस दुख की घड़ी में दुख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। श्रद्धांजलि अर्पित करने में विकास दयाल, ब्रजेश गौतम, लोकेश अकेला, नरेश प्रधान, रजनीश पायलट, विक्रम भैया कौल, मुकेश कोरी, संजीव वर्मा, नितिन पाराशर, कैलाश हल्दानी, नरेंद्र भारती, धर्मेन्द्र सिंह, दीपक बौद्ध, मुकेश आजाद, डॉ.विनोद कार्तिक और सुखवीर सिंह मुनीमजी, चतर सिंह, लेखराज सिंह, जगदीश सिंह, वीर सिंह, हरकेश सिंह, धनश्याम और हरिन्द्र सिंह पुनीत आदि लोग उपस्थित रहे।

## 57 किलो का केक काटकर विधायक धर्मेश सिंह तोमर को कार्यकर्ताओं ने दी शुभकामनाए

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापड़। पिलखुवा क्षेत्रीय विधायक धर्मेश सिंह तोमर के 57वें जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं द्वारा 57 किलो का केक काटकर उनके वर्षगांठ की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम राजपूत रेजीमेंट इंटर कॉलेज के प्रांगण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक धर्मेश सिंह तोमर के द्वारा विद्यालय प्रांगण में स्थापित मां सरस्वती एवं विद्यालय के संस्थापक स्व० लटूर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया गया इसके पश्चात विधायक ने कॉलेज के प्रांगण में वृक्षारोपण भी किया। विधायक के जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं में एक अलग ही उत्साह देखने को मिला इस मौके पर कोई विधायक को पगड़ी बांध रहा था तो कोई उन्हें पुष्पगुच्छ



देकर अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कर रहा था। 57वें जन्मदिन पर विधायक धर्मेश सिंह तोमर ने कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में वृक्ष लगाए और उनकी देखभाल भी करें। उन्होंने कहा कि आपका समर्थन और आपका स्नेह ही मुझे कार्य करने की ऊर्जा व प्रेरणा प्रदान करता है। उन्होंने इस मौके पर घोषणा करते हुए कहा कि शीघ्र ही क्षेत्र में अनेक विकास के कार्य, क्षेत्र को विकास की गति प्रदान करेंगे जिनमें प्रमुख रूप से रेलवे रोड

## हमारा प्यारा हिंदुस्तान साहित्य संस्था के तत्वाधान में आयोजित हुआ बाल बलिदान दिवस

अजीत, जुझारू, जोरावर, फतेह जी को बारंबार नमन हमारा- अशोक गोयल, वरिष्ठ कवि

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापड़। पिलखुवा, में हमारा प्यारा हिंदुस्तान साहित्य संस्था पश्चिम बंगाल इकाई के तत्वाधान में ऑनलाइन विराट कवि सम्मेलन बाल बलिदान दिवस का आयोजन हुआ। लगभग साढ़े तीन घंटे तक बहुत ही भव्य रूप से कार्यक्रम चला। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि श्रेष्ठ अशोक गोयल पिलखुवा ने की मुख्य अतिथि डॉ. ओमकार मट्टल रहे। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ कविगित्री बीना गोयल रही। मुख्य वक्ता पी डी मित्तल संस्थापक भारत माता अभिनंदन संगठन कविगित्री ऋतु गंग सिद्धी गुड़ी मधु विशिष्ट फरीदाबाद अतिथि वरिष्ठ कवि सुभाष कुशवाहा, ईश्वर चंद्र जायसवाल। सरस्वती वंदना चंद्र साहू, स्वागत गीत दिलीप



शर्मा देवास अपने चिर परिचित अंदाज से सुनाया। आमंत्रित कवि अविनाश खरे, मंच की उपाध्यक्ष मीनू राजेश शर्मा, आयुष साह, जयवीर सिंह शोधाथी, संध्या जैन भिलाई, मीना सुरेश जैन सुमीत, मिताली वर्मा

भिलाई, शिखा तेजस्वी ध्वनि दिल्ली, मो. हुसैन भिलाई, मीता लुनिवाल, कवि वीरेंद्र हाथरसी, कवि त्रिलोक चंद फतेहपुरी, डॉ. अखिलेश गुप्ता बरेली रजनी शर्मा डेहरी, विशिष आमंत्रण वरिष्ठ मंच संचालक कुंवर

बलिदान की। कार्यक्रम का सुंदर संचालन कवि निर्दोष जैन लक्ष्य ने किया। अंत में कार्यक्रम अध्यक्ष वरिष्ठ कवि अशोक गोयल ने सभी आमंत्रित कवियों का आभार प्रकट किया।

## परिवहन विभाग व यातायात पुलिस द्वारा प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को किया चेक 28 वाहनों के किए चालान



द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापड़। शासन के निर्देशानुसार द्वितीय सड़क सड़क सुरक्षा पखवाडा के तहत अन्तर्गत प्रदूषण जांच केन्द्रों की चेकिंग व मानक से अधिक

प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों की नियमानुसार चेकिंग की गयी, जिनमें 7 प्रदूषण जांच केन्द्रों को चेक किया गया। जो नियमानुसार संचालित पाये गये तथा जिनमें वाहनों में कमियों को सुधारने हेतु निर्देशित किया गया। रमेश कुमार चौबे सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, (प्रवर्तन) हापड़, आशुतोष उपाध्यक्ष, यात्रीकर अधिकारी हापड़ द्वारा प्रवर्तन कार्यवाही के दौरान यातायात नियमों के दृष्टिगत मॉडीफाईड साइलेंसर, हूटर, प्रेशर हॉर्न, शीशे पर काली फिल्म व अन्य अभियोग में कुल 28 चालान किये गये। शहर के मुख्य चौराहों व मार्गों पर शासन से प्रेषित यातायात नियमों के फोल्डर व लीफलेट भी वितरित



## गंगा नदी की दो धाराओं के मध्य रेती में युवक का शव बरामद मृतक के हाथ और पैर रस्सी से बंधे मिलें

❖ मृतक की शिनाख्त कानपुर देहात के थाना ककवन अंतर्गत ग्राम तिस्ती के निजी विद्यालय के शिक्षक रूप में की गई।

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

बांगरमऊ- उजाव। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मल्लहन पुरवा के सामने गंगा नदी की दो धाराओं के मध्य रेती में एक 30 वर्षीय युवक का शव पड़ा पाया गया। मृतक के हाथ और पैर रस्सी से बंधे हैं। मृतक की शिनाख्त कानपुर देहात के थाना ककवन अंतर्गत ग्राम तिस्ती के निजी विद्यालय के शिक्षक रूप में की गई है। करीब पांच दिन पुराना होने के चलते शव पूरी तरह सड़ चुका है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जनपद कानपुर देहात के थाना ककवन अंतर्गत ग्राम तिस्ती निवासी मृतक के बड़े भाई अभिलाष पुत्र रामनारायण ने बताया कि उसका भाई आशुतोष रैना बीते 16 दिसंबर को बाइक से कस्बा बिल्हौर निवासी



अपने मौसा के घर जा रहा था। तभी रास्ते में बिल्हौर- रसूलाबाद मार्ग पर ग्राम खजुरी चौराहा के निकट उसकी बाइक की टक्कर से एक छ- वर्षीय बच्चों घायल हो गई थी। घायल बच्चों के परिजनों ने उसके भाई की

बाइक कब्जे में लेकर घायल बच्चों का इलाज कराने का दबाव बना रहे थे। इसी के बाद आशुतोष मौसा के घर बिल्हौर चला गया था। उसी रात घायल बच्चों का इलाज कराने के लिए आशुतोष सिटी हॉस्पिटल जाने की बात कह कर बिल्हौर से चला था। मृतक के लिए आशुतोष सिटी हॉस्पिटल जाने की बात कह कर बिल्हौर से चला था। मृतक के भाई ने यह भी बताया कि बीते 18 दिसंबर को बच्चों के परिजनों और मृतक के परिजनों के बीच इलाज करने को लेकर समझौता भी हो गया था और बच्चों के परिजनों ने बाइक भी वापस कर दी थी। लेकिन इसके बाद भाई वापस घर नहीं लौटा। तब से वह

## विकसित भारत संकल्प यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया

द अचीवर टाइम्स- नीरज शुक्ला/ निशेष कुमार

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। रविवार को सिरौलीगौसपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत परसा प्राथमिक विद्यालय में जगदीशपुर सिरौली गुंग खलसापुर में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा पहुंची भाजपा मण्डल अध्यक्ष सन्तोष पान्डेय, अमित कुमार पाण्डेय, रामसागर कनौजिया बलवत प्रजापति मुकेश यादव मनोज कुमार सोनी उमेश कुमार निगम बचोले महाराज बडकी प्रधान, रेखा देवी रावत प्रधान प्रधान प्रतिनिधि सतीश रावत, खलसापुर में डा00रामकेदार वर्मा तथा उपरोक्त ग्राम पंचायतों के सचिव आदि ने विकसित भारत संकल्प यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। भाजपा मण्डल अध्यक्ष सन्तोष पान्डेय ने मोदी जी के विकास की गारंटी कार्ड पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डालते हुए



कहा कि प्रधानमंत्री आवास मुख्यमंत्री आवास प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना बृद्धवस्था विधवा विधवा पेंशन स्वास्थ्य, शिक्षा आंगनवाड़ी हर घर नल का जल इत्यादि योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी। भाजपा आई टी सेल के अमित पांडेय रामजी ने केन्द्र सरकार के विकास तो 30प्र0 में योगी राज की सुरक्षा गारंटी पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। राजेश कुमार रावत कुलदीप

श्रीवास्तव, वीरेंद्र तिवारी, सतीश वर्मा, सुरेश चन्द्र यादव, मनीष शुक्ला, धर्मेन्द्र कुमार वर्मा, आदि ग्राम सचिवों ने विकास सम्बन्धित जानकारी दी तो कृषि विभाग के डा00 वीरेंद्र कुमार यादव ने कृषि से सम्बन्धित योजनाओं पर चर्चा की आंगनवाड़ी की ओर से गोद भराई स्वास्थ्य विभाग ने स्टाल लगाकर सैकड़ों ग्रामीणों को दवायें वितरित किया। तत्पश्चात शपथ दिलाई गई।

उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने लिया जायजा



अयोध्या। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने शनिवार को अयोध्या का जायजा लिया। इस दौरान श्री पाठक को अयोध्या राम कथा संग्रहालय के बाहर दिया गया गॉड ऑफ ऑनर। इस अवसर पर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बृजेश पाठक का किया स्वागत। उन्होंने राम कथा संग्रहालय के सभागार में भगवान राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा बैठक में भाग लिया। उन्होंने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में लगने हैं मेडिकल कैम्प, डॉक्टरों की लगनी है ड्यूटी, पैरामेडिकल स्टाफ की लगनी है ड्यूटी। बैठक में राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ट्रस्टी अनिल मिश्रा समेत जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

## एक नज़र

समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं की ब्लॉक स्तरीय बैठक हुई सम्पन्न

द अचीवर टाइम्स मुकेश राजपूत

सिकंदरपुर सरोसी ब्लॉक में समाजवादी पार्टी की ब्लॉक स्तरीय कार्यकर्ताओं ने बैठक का आयोजन मनोहर लाल इण्टर कॉलेज सरोसी में संपन्न हुआ। जिसमें राजेश यादव जिलाध्यक्ष, श्रीमती अनू टंडन पूर्व सांसद, राम कुमार एडवोकेट पूर्व विधायक सदर उजाव, सुनील सिंह साजन पूर्व एमएलसी, सुन्दर लाल लोधी पूर्व विधायक, अंकित परिहार पूर्व प्रत्याशी भगवत नगर, सी के त्रिपाठी एवं पदाधिकारी/ कार्यकर्तागण उपस्थित रहे। बैठक में सिकंदरपुर सरोसी ब्लॉक के समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं में कुछ अलग ही जोश दिखा। समाजवादी पार्टी उजाव के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को भारी बहुमत से जीताने के संकल्प लिया।

भागवत कथा का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ शुरू किया

द अचीवर टाइम्स मुकेश राजपूत

विकासखंड सिकंदरपुर सरोसी क्षेत्र के ग्राम पंडित खेड़ा मजरा भदेवना में हर वर्ष की भांति माँ कालिका माता मंदिर परिसर में श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ किया गया जिसमें विनोद शास्त्री सहित गांव के सैकड़ों लोगों ने यात्रा में भाग लिया कलश यात्रा कथा स्थल से परियर गंगा तट से कलश में जल भरकर इक्रीस कन्याओं ने कलश को अपने सर पर रखा और पैदल गांव के सभी देव स्थानों की पद यात्रा कर कथा स्थल में भागवत मंडप में पण्डित सर्वेश शास्त्री द्वारा कलश स्थापित किये गए। तत्पश्चात भागवत कथा का शुभारंभ किया गया।

अचानक छप्पर में लगी आग गृहस्थी का सामान जलकर राख

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

उजाव। माखी थाना क्षेत्र के मर्दन खेड़ा में रविवार को अचानक आग लग जाने से एक घर जलकर राख हो गया। इस घटना में घर में रखा गृहस्थी का सारा सामान जलकर राख हो गया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड टीम ने आग पर काबू पाया। गृहस्वामी गुड्डु पुत्र रामबालक ने बताया बच्चों छप्पर के नीचे आग जलाये थे उसी दौरान अचानक छप्पर में आग लग गई। जिससे पांच किटल अनाज, बच्चों की किताबें, कपड़े सहित लगभग तीस हजार का सामान जलकर राख हो गया बाद में आसपास के लोग, माखी पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ी की मदद से आग पर काबू पाया जा सका।

सवामनी हवनोत्सव आयोजन को लेकर हुई बैठक

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

शुक्लागंज- उजाव। राजधानी मार्ग स्थित नारदानंद ऋषि आश्रम में श्री बाला जी सेवक मंडल के तत्वावधान पिछले दस वर्षों से सवामनी हवनोत्सव का आयोजन कराया जा रहा है। इस बार भी कराया जायेगा। जिसको लेकर रविवार को ऋषि आश्रम में श्री बाला जी सेवक मंडल की बैठक हुई। जहां बैठक को संबोधित करते हुये श्री बालाजी सरकार घाटा मेंहदीपुर धाम के जय जय सियाराम महाराज ने कहा कि मंगलवार को सुबह आठ बजे संगीतमयी सुंदरकांड पाठ, चारह बजे संकट बाधा मिटाने के लिए सवामनी यज्ञ, साढ़े बारह बजे श्री बालाजी सरकार का भव्य श्रंगार व छप्पर भोग, एक बजे से भजन कार्यक्रम, शाम चार बजे बाबा की महाआरती और साढ़े चार बजे प्रसाद का वितरण किया जायेगा। इस मौके पर भोलू महाराज, संजय ओमर, दान बहादुर सिंह, अमित मिश्रा, आकाश मिश्रा, संदीप ओमर, गोविंद शुक्ला, प्रदीप मौर्या, मनीष कुमार, अमित निगम, शिवम सिंह आदि भक्त मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने दिया निर्देश

अयोध्या। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी नितीश कुमार द्वारा जनपद में बने 00वी0एम0/वी0वी0पैट, वेयरहाउसों का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय उप जिला निर्वाचन अधिकारी, अयोध्या, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी, अयोध्या, चकबन्दी अधिकारी सदर ईन्चार्ज वेयरहाउस ई0वी0एम0/वी0वी0पैट, अयोध्या एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि के रूप में मनोज वर्मा जिला महामंत्री भारतीय जनता पार्टी, मुस्तफा अली जिला संयोजक 00वी0एम0-बहुजन समाज पार्टी एवं जगन्नाथ यादव महासचिव समाजवादी पार्टी उपस्थित रहे।

## हिंदू मुस्लिम एकता का प्रतीक तकिया मेला आगामी 28 दिसंबर से शुरू

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

पाटन- उजाव। सहस्त्र लिंगेश्वर महादेव व बाबा मोहम्मद शाह की याद में प्रतिवर्ष लगने वाला हिंदू मुस्लिम एकता का प्रतीक तकिया मेला आगामी 28 दिसंबर बृहस्पतिवार से प्रारंभ हो रहा है। जिसको लेकर प्रशासनिक अमला तैयारी में जुटा हुआ है वहीं जनपद के अलावा अन्य जनपदों व अन्य प्रदेशों से आने वाले व्यापारी मेलों में आना प्रारंभ हो गए हैं। मेलों में आए हुए कुछ व्यापारियों ने कहा कि मेलों में पानी की समस्या है व रात में लाइट की कोई व्यवस्था नहीं है जबकि मेला परिसर में लगभग 40 नल लगे हुए हैं, कुछ अभी बिगड़े पड़े हुए हैं। वहीं बाबा मोहम्मद शाह की मजार में चढ़ावे व भूमि के पैसों को लेकर विवाद वर्षों से चला रहा



हैं बाबा मोहम्मद शाह की तकिया मेला स्थित भूमि पर शबीना बानो, खातून बानो, साबिर हुसैन, जोहरा बीवी आदि लोगों के नाम से लगभग 08 बीघा जमीन दर्ज है जिस पर वर्तमान में मेला लगता है जिसमें लाखों रुपए की आय होती है। उक्त भूमि से उपरोक्त लोगों का नाम खारिज कर संपूर्ण भूमि बाबा के नाम की जाए इस बात का वाद गद्दी धर द्वारा न्यायालय में दायर किया गया है वहीं व्यापारियों से वसूले गए

पैसों व मोहम्मद शाह की मजार में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ावे के पैसों को लेकर बंदर-बाँट होता है जिसको लेकर मजार के गद्दी धर हाजी गुलाम हुसैन ने बताया कि मैंने उज्जिलाधिकारी को संबन्धित जानकारी प्रार्थना पत्र के माध्यम से दी है चढ़ावे की धनराशि को एक स्थान पर जमा करने की मांग की जिस पर उज्जिलाधिकारी क्षिपिज कुमार द्विवेदी ने उक्त कार्य को अपने स्तर से देखने की बात कही है।

## अक्षत कलश रथ यात्रा हर्षोल्लास के साथ निकाली गई

❖ कलश रथयात्रा से संपूर्ण नगर का वातावरण राम मय हो गया।  
❖ नगर वासियों द्वारा यात्रा का जगह- जगह पुष्पवर्षा कर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

संवाददाता

शुक्लागंज- उजाव। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम की जन्म भूमि अयोध्या में भव्य नूतन राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्वारा गठित श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव समिति द्वारा नगर के मार्गों पर पूजित अक्षत कलश रथ यात्रा हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। कलश रथयात्रा से संपूर्ण नगर का वातावरण राम मय हो गया। नगर वासियों द्वारा यात्रा का जगह- जगह पुष्पवर्षा कर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। जहां मरहाला चौराहा पर सांसद साक्षी महाराज, विधायक पंकज गुप्ता ने स्वागत किया। जिसके बाद आरएसएस के भूपेन्द्र, आकाश बाजपेई, अंजनी अग्निहोत्री, राकेश, रचना, जीतेन्द्र, सुरेश, कौशल ने



यात्रा का जोरदार स्वागत किया। का स्वागत किया।

इनसेट

पुराने जाजमऊ पुल की मरम्मत के दौरान लगा जाम- राहगीर परेशान जाजमऊ पुल से लेकर त्रिभुवन खेड़ा तक वाहनों की लगी लंबी कतारों। वहीं फोरलेन पर दोपहर के समय अक्षत कलश यात्रा निकलने के कारण दोपहर एक बजे से साढ़े तीन बजे तक जाम की स्थिति बनी रही।

परिजनों की डांट से क्षुब्ध घर से भागा किशोर अगले दिन सुबह स्वयं पहुंचा



द अचीवर टाइम्स संवाददाता

फतेहपुर चौरासी- उजाव। नगर पंचायत फतेहपुर चौरासी के मोहल्ला शास्त्री नगर से बीते शनिवार को बिना बताए घर से चले गए एक किशोर के रविवार को वापस आ जाने से परिजनों ने राहत की सांस ली। मोहल्ला निवासी संजय जयसवाल का लगभग दस वर्षीय पुत्र नैतिक परिजनों की डांट फटकार से नाराज होकर शनिवार शाम घर से बिना बताए चला गया था। देर रात तक वापस न लौटने पर परिजनों ने

खोजबीन शुरू की और पुलिस को सूचना दी। लेकिन कहीं पता न चलने पर परिजन परेशान हो गए जिसके बाद रविवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे क्षेत्र के गांव दोस्तपुर शिवली प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य रघुनाथ प्रसाद शास्त्री के पास पहुंचे तो ज्योतिषाचार्य ने चार घण्टे में बच्चों के आने की बात कही जिससे परिजनों को कुछ राहत मिली। जानकारी अनुसार तकरीबन 10:15 बजे पर नैतिक स्वयं वापस आ गया जिससे परिवारजनों और पुलिस ने राहत की सांस लिया।

कार की टक्कर से बुजुर्ग महिला हुई घायल



द अचीवर टाइम्स- नीरज शुक्ला

रामनगर (बाराबंकी)। थाना क्षेत्र के अंतर्गत फतेहपुर-रामनगर मार्ग के बीबीएफ ब्रिक फील्ड के निकट यू पी 42 ए यू 1872 कार ने एक बुजुर्ग महिला को रौंदते हुए भागने में सफल रहा। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामादेवी पत्नी नवमी लाल निवासी ग्राम पंचायत बुढ़वल थाना रामनगर खेत से घर की तरफ आ रही थी तभी एक कार ने बुजुर्ग महिला को जोरदार टक्कर मारते हुए निकल गई। स्थानीय लोगों ने कार का नंबर लिख लिया और बुजुर्ग महिला की हालत काफी गंभीर

देखते हुए तत्काल प्राइवेट वाहन से इलाज के लिए एक निजी अस्पताल लेकर गए। जहां पर महिला का इलाज जारी है। गौरतलब बात तो यह है कि घायल बुजुर्ग महिला के पति की भी एक्सडीट में मृत्यु हो गयी थी तथा उनके दोनों पुत्रों का भी एक्सडीट हो चुका है। पुत्र किसी तरह अपना व अपने परिवार का भरण पोषण कर रहे हैं। परिजनों ने पीआरवी 112 को फोन किया लेकिन व्यस्त होने के कारण 112 की कॉल नहीं उठी जिस कारण इसकी लिखित तहरीर थाना रामनगर को परिजनों के द्वारा दी गयी है। पुलिस को तहरीर मिलते ही जांच में जुट गई है।

चोरों ने दो घरों को बनाया निशाना नगदी सहित लाखों का माल किया पार



द अचीवर टाइम्स मुकेश राजपूत

उजाव। माखी थाना के पावा चौकी क्षेत्र के पुरानी बजार में चोरो ने अप्रवासी मजदूरों के दो घर को चोरो ने निशाना बनाया। ताला तोड़ कर चोर घर में दाखिल हुए बक्से में रखी सोने चांदी की लगभग पांच लाख का ज्वेलरी साइकिल, बैट्री इन्वर्टर पर कर दिया है। घर की महिलाएं रिस्तेदारी में गई थी। सुबह जानकारी होने पर पुलिस को सूचना दी।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना के पावा चौकी क्षेत्र के बन्दाखेड़ा के मजरा पुरानी बजार निवासी कमलाकांत पुत्र छेदीलाल कुवैत में मजदूरी करता है। उसकी पत्नी मनोरमा

घर पर रहती है। मनोरमा ने बताया कि शनिवार को दो बजे सफ़ीपुर अपनी नन्द के यहाँ गई थी। सुबह ग्रामीणों से ताला टूटे होने की जानकारी मिली। कमरे में रखा बक्से का सामान बिखरा देख चोरी की जानकारी हुई कहा कि एक नई साइकिल, बैट्री इन्वर्टर, सोने चांदी की ज्वैलरी सहित लगभग दो लाख का सामान पार कर दिया है। उसके छोटे भाई बिपती के घर से दो लाख का सामान पार कर दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आज मनाई जाएगी महाराजा बिजली पासी जयंती



❖ पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने प्रेसवार्ता कर दिया जानकारी।

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

शुक्लागंज- उजाव। आगामी सोमवार को महाराजा बिजली पासी की जयंती समारोह का आयोजन नगर के सहजनी नेहरू बाग गेट नंबर एक पर मनाया जाएगा, यह जानकारी एक प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का संयोजन प्रमोद पासी द्वारा किया जाएगा। इस दौरान राजू रावत, रवींद्र पासी, राकेश रावत, शशिकान्त पासी आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहें।

बिजली पासी 12वीं सदी में बिजनौरगढ़ के राजा थे। जिन्होंने राजा जयचंद की सेना को दो बार पराजित किया था। वर्तमान

बिजनौरगढ़ बिजनौर के नाम से जाना जाता है। उन्होंने बताया कि पासी एकता को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें पासी समाज के गौरव रूप में उनको आधार मानकर भविष्य को सुरक्षित करना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजकिशोर रावत निवर्तमान जिलाध्यक्ष भाजपा उपस्थित होंगे। प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का संयोजन प्रमोद पासी द्वारा किया जाएगा। इस दौरान राजू रावत, रवींद्र पासी, राकेश रावत, शशिकान्त पासी आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहें।

30प्र0 ग्राम पंचायत अधिकारी संघ का द्विवार्षिक चुनाव/ अधिवेशन संपन्न



❖ सर्वसम्मति से सुनील कुमार जिलाध्यक्ष व योगेश कुमार जिलामंत्री मनोनीत।

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

उजाव। ग्रास विवरण अनुसार पूर्व आभारित कार्यक्रम उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत अधिकारी संघ जनपद शाखा उजाव का द्विवार्षिक चुनाव/ अधिवेशन विकासखंड सिकंदरपुर सरोसी सभागार में सहायक विकास

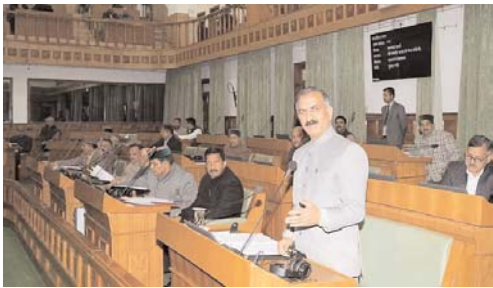
अधिकारी (पंचायत) रवि कुमार शर्मा के देखरेख में संपन्न हुआ। अधिवेशन में जनपद के समस्त ग्राम पंचायत अधिकारी सम्मिलित हुए। उपस्थित ग्राम पंचायत अधिकारियों की आम सभा में सर्वसम्मति से सुनील कुमार को जिलाध्यक्ष व योगेश कुमार को जिलामंत्री, अखिल श्रीवास्तव को कोषाध्यक्ष, पूनम यादव एवं पंकज द्विवेदी को जिलाउपाध्यक्ष, साजिद रिजवी प्रांतीय प्रतिनिधि, संयुक्त के पद पर रजत अवस्थी, संयुक्त मंत्री अमन यादव एवं संगठन मंत्री पद पर दीपक गौतम को निर्वाचित किया गया। संरक्षक के रूप में विनोद कुमार वर्मा एवं शैलेंद्र दुबे को नामित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जिला पंचायत राज अधिकारी निरेश चंद्र साहू, ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष संदीप कुमार भारतीय ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं प्रेषित किया।



## आउटसोर्स कर्मचारियों पर चर्चा पहले नहीं करवाने पर विपक्ष ने की नारेबाजी किया हंगामा

संवाददाता

शिमला। विपक्ष व्यवस्था का प्रश्न उठाकर इस बात पर अड़ा रहा कि नियम 130 में सरकारी नौकरियों नहीं दे पाने और आउटसोर्स कर्मचारियों को हटाने पर चर्चा पहले करवाई जाए। हिमाचल विधानसभा सदन में विपक्ष ने शनिवार को भोजनावकाश के बाद सदन में नारेबाजी और हंगामा किया। विपक्ष व्यवस्था का प्रश्न उठाकर इस बात पर अड़ा रहा कि नियम 130 में सरकारी नौकरियों नहीं दे पाने और आउटसोर्स कर्मचारियों को हटाने पर चर्चा पहले करवाई जाए। सरकार ने इससे पहले अधीनस्थ सेवाएं चयन बोर्ड हमीरपुर पर भर्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार की जांच पर चर्चा को पहले लाया है। इसे न करवाकर आउटसोर्स कर्मचारियों वाली चर्चाओं को पहले किया जाना। इस पर दोनों पक्षों की लंबी नोकझोंक के बाद दोनों विषयों को क्लब कर चर्चा की गई। व्यवस्था का प्रश्न



उठते हुए नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि पिछले कल निवेदन किया गया था कि महत्वपूर्ण विषय है। यह विषय आपसे जुड़ा हुआ नहीं था। जब कहा गया कि बेरोजगारी से संबंधित विषय पर नियम 67 को रद्द करते हैं, ईमानदारी से पालन किया गया। जो प्रस्ताव सतपाल सती और सुखराम चौधरी ने दिया, उसे पहले सदन में लाया जाए। अधीनस्थ सेवाएं चयन बोर्ड पर चार बार चर्चा कर चुके हैं। मुख्यमंत्री सुखविंद सिंह सुक्खू ने कहा कि अगर चर्चा के लिए सत्र को बढ़ाना पड़े तो इसे बढ़ा दिया जाएगा। सदन में क्या कब लगाना

है, यह डिक्टेट करना सही नहीं है। मैं भी हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि दोनों मुझे महत्वपूर्ण है। दोनों मुझे को क्लब किया जा सकता है। भाजपा विधायक रणधीर शर्मा ने भी कहा कि दोनों को क्लब कर दिया जाए। भाजपा विधायक विपिन सिंह परमार ने कहा कि स्पीकर सबसे संरक्षक हैं। बेरोजगारी पर जान-बूझकर हमीरपुर के चयन आयोग पर चर्चा की जा चुकी है। जान-बूझकर विषयों में देरी की गई है। ऐसा नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री सुखविंद सिंह सुक्खू ने कहा कि पहले ही शेड्यूल तय हो जाता है। इस पर सुबह भी व्यवस्था का प्रश्न उठया जा सकता था। हर चीज को राजनीतिक रंग देना सही नहीं है।

**सौएम बोले, कम्रे खाली करने को कहा तो होगी जांच**

जयराम ठाकुर ने कहा कि सदन चला हुआ है, फिर भी कुछ विधानसभा सदस्यों के स्टाफ को आवास खाली करने को कहा गया है। यह भी सही नहीं है। अभी विधानसभा चल रही है। इस पर सुक्खू बोले कि हो सकता है कि कम्रे के लिए किसी निचले स्तर के स्टाफ ने बोला हो। ऐसा है तो इसकी जांच होगी।

एजेंसी

मंडी। नए साल से पहले कांगड़ा घाटी में दो रेलगाड़ियों को दौड़ाने की योजना है। इसमें एक रेलगाड़ी सुबह और दूसरी शाम के समय चलेगी। शुक्रवार को बैजनाथ पपरोला से सुबह 9:30 बजे जोगिंद्रनगर के लिए रवाना हुई रेलगाड़ी 11:30 बजे स्टेशन में पहुंची। पठानकोट-जोगिंद्रनगर हेरिटेज रेलवे लाइन पर जोगिंद्रनगर से कांगड़ा तक रेलगाड़ी में रोमांच का सफर महज तीन घंटे में पूरा होगा। इसकी तमाम औपचारिकताओं को पूरा करते हुए शुक्रवार को दो बोगियों के साथ रेलवे स्टेशन पहुंची रेलगाड़ी में मौजूद रेलवे विभाग के उच्चाधिकारियों की निरीक्षण टीम में संकेत दिए हैं। नए साल से पहले कांगड़ा घाटी में दो रेलगाड़ियों को दौड़ाने की योजना है। इसमें एक रेलगाड़ी सुबह और दूसरी शाम के समय चलेगी। शुक्रवार को बैजनाथ पपरोला से सुबह 9:30 बजे



जोगिंद्रनगर के लिए रवाना हुई रेलगाड़ी 11:30 बजे स्टेशन में पहुंची। दोपहर 12:38 बजे पर बैजनाथ पपरोला के लिए वापस रवाना हुई रेलगाड़ी दोपहर 2:15 बजे स्टेशन पहुंची। इसके उपरांत यह रेलगाड़ी कांगड़ा की ओर रवाना हुई। जोगिंद्रनगर रेलवे स्टेशन से

करीब 80 किलोमीटर दूर कांगड़ा जंक्शन के लिए चार बोगियां रेलगाड़ियों के साथ चलाई जाएंगी, जिसमें करीब 200 से अधिक यात्री सफर कर पाएंगे। करीब 80 किलोमीटर दूर कांगड़ा मंदिर तक प्रत्येक यात्री को 40 रुपये का किराया

मिलेगा। जोगिंद्रनगर रेलवे स्टेशन में शुक्रवार को दो बोगियों के साथ पहुंची रेलगाड़ी में रेलवे विभाग के उच्चाधिकारियों ने निरीक्षण कर ट्रैक व अन्य सुविधाओं का जायजा लिया है। फिलहाल कांगड़ा तक रेलगाड़ियां दौड़ेंगी।

अदा करना होगा। बैजनाथ पालमपुर से यात्रियों को 30 रुपये चुकाने होंगे। इस रूट के अर्ध आने वाले अन्य रेलवे स्टेशन, सुल्ह, परोर, चामुंडा मार्ग, नगरोटा, समलोटी के यात्रियों को भी रेलगाड़ी में सस्ते व सुखाने सफर का लाभ

## एक नज़र

**चुनाव नजदीक आने पर भुवनेश्वर में सीबीआई अफसर, सीने में घुस गई डर!**

मनोरंजन सासमल स्टेट हेड ओडिशा

भुवनेश्वर। ओडिशा राज्य की राजनीति और पास में चुनाव फिर सत्ता विरोधी टकराव के बीच सीबीआई के अतिरिक्त निदेशक राजधानी भुवनेश्वर पहुंचे हैं। हालांकि, यह पता नहीं चल पाया है कि किस कारण से, लेकिन कहा जाता है कि कई लोगों के सीने में पानी भरने लगा है। सीबीआई के अतिरिक्त निदेशक मनोज शशिधर के शनिवार को भुवनेश्वर पहुंचने के बाद उनके दौरे के उद्देश्य को लेकर अटकलें लगने लगीं। ओडिशा में अपनी उपस्थिति के दौरान उनके क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारियों के साथ राज्य में भ्रष्टाचार और लंबित मामलों की जांच के संबंध में चर्चा करने की संभावना है। हाल ही में ओडिशा में आयकर विभाग की बड़े पैमाने पर हुई कार्रवाई के मद्देनजर यह दौरा काफी अहम है।



बोध डिस्ट्रिक्टली प्राइवेट लिमिटेड के स्वामित्व वाले पते पर छापेमारी के दौरान एक शराब डीलर से 350 करोड़ रुपये नकद की जब्ती ने सीबीआई की आधिकारिक यात्रा को उजागर कर दिया है। सूत्रों ने कहा कि सीबीआई अधिकारी लंबित मामलों से निपटने के लिए तैयारियों और रणनीतियों पर चर्चा कर सकते हैं। इसी तरह, झारखंड कांग्रेस सांसद धीरज साहू के स्वामित्व वाली बोध डिस्ट्रिक्टली अवैध नकद लेनदेन की सीबीआई या लोक अभियोजन निदेशालय (ईडी) जांच के लिए तैयारी कर रही है।

**मोंगरी के बासनोत में घर में लगी आग, तीन कमरे, 25 हजार रुपये व सामान राख**

पंचैरी। तहसील मोंगरी की पंचायत बासनोत में वीरवार रात कच्चे मकान के एक घर में सदियध परिस्थितियों में आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि तीन कमरे जलकर खाक हो गए, जबकि कुछ सामान और 25 हजार रुपये नकद भी आग की भेंट चढ़ गई। दुर्गम एवं पहाड़ी इलाका होने की वजह से ग्रामीणों को ही बाह्य मौजूद थोड़े से पानी या फिर मिट्टी मलबे से आग बुझाने के लिए काफी मशकत करनी पड़ी। जानकारी के अनुसार बासनोत निवासी प्रवीण सिंह के घर पर अचानक आग लग गई। सड़क संपर्क मार्ग से लगभग 2 किलोमीटर की दूरी पर मकान है जिसकी वजह से क्षेत्र में आग पर काबू पाने के लिए कोई भी संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। जिस समय आग लगी उस समय घर पर कोई मौजूद नहीं था। जैसे ही आसपास के ग्रामीणों को पता चला तो उन्होंने एक साथ आग पर काबू पाने की कोशिश की और दरवाजा तोड़कर सामान भी सुरक्षित बाहर निकालने की कोशिश की। पानी और मिट्टी से आग पर काबू पाने की कोशिश की। काफी मशकत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। परिजनों के मुताबिक घर में कुछ सामान सहित 25 हजार की नकदी आग की भेंट चढ़ गई, जबकि तीन कमरे पूरी तरह जलकर खाक हो गए।

## हिमाचल विधानसभा सदन में तीन विधेयक पारित

### दो पर हुई चर्चा

संवाददाता

तपोवन (धर्मशाला)। विधानसभा के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन शनिवार को तीन विधेयक पारित किए गए। इनमें से दो विधेयक चर्चा के बाद व एक बिना चर्चा के पारित हुआ। तपोवन में हिमाचल प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन भारतीय स्टॉप (हिमाचल प्रदेश द्वितीय संशोधन) विधेयक 2023 व हिमाचल प्रदेश जल विद्युत उत्पादन पर जल उपकरण संशोधित विधेयक को सदन में चर्चा के बाद पारित कर दिया गया। वहीं, एक अन्य हिमाचल प्रदेश जीव अनाशित कृद्ध-कचरा नियंत्रण संशोधन विधेयक 2023 को बगैर



चर्चा के पारित कर दिया गया। विधेयक के अनुसार पहली बार खनन पट्टे की लीज और कंपनी हस्तांतरण पर स्टॉप शुल्क का भुगतान करना होगा। अब तक इस अधिनियम में कर्पनियों की ओर से संपत्ति के हस्तांतरण पर स्टॉप शुल्क लगाने का प्रावधान नहीं था, जिसकी

वजह से कई मुकदमे सामने आते रहे हैं। इस समस्या के समाधान के लिए राज्य सरकार की ओर से दूसरा संशोधन विधेयक लाया गया है, क्योंकि भारतीय स्टॉप अधिनियम की अनुसूची-1 ए में इसके लिए प्रावधान करना आवश्यक है। साथ ही खनन पट्टे की लीज पर भी स्टॉप शुल्क लगाने का प्रावधान किया है। कंपनी हस्तांतरण पर स्टॉप शुल्क बाजार मूल्य का 8 फीसदी और खनन पट्टे पर बाजार मूल्य या वार्षिक रॉयल्टी का 6 फीसदी स्टॉप

शुल्क लगाना प्रस्तावित किया गया है। वहीं जल उपकरण संशोधित विधेयक के तहत हिमाचल प्रदेश में अब जल उपकरण आयोग का नाम बदलकर जल आयोग होगा। इससे पहले पांचवें दिन सदन की कार्यवाही भी अलग तरह से शुरू हुई। 11:00 बजे कारवाही शुरू हुई तो सदन में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर सहित कई भाजपा विधायक कंधे पर परने लटकाए हुए पहुंचे। दरअसल, भाजपा विधायकों ने लगातार पांचवें दिन सदन की बैठक शुरू होने से पहले विधानसभा परिसर में कांग्रेस की गारंटियों के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। हालांकि, प्रश्नकाल बगैर गतिरोध के चला।

## भाजपा विधायकों ने सेब की पेटियों के साथ तपोवन विधानसभा परिसर में किया प्रदर्शन

एजेंसी

कांगड़ा। शीतकालीन सत्र के पांचवें दिन शनिवार को भाजपा विधायक दल ने नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के नेतृत्व में विधानसभा परिसर में सेब की पेटियों के साथ प्रदर्शन किया। तपोवन में हिमाचल प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पांचवें दिन शनिवार को भाजपा विधायक दल ने नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के नेतृत्व में विधानसभा परिसर में सेब की पेटियों के साथ प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कांग्रेस ने गारंटी दी थी कि सत्ता के आने के बाद किसान-बागवान सेब के दाम खुद तय करेंगे। लेकिन सरकार बन जाने के बाद जब किसान-बागवानी मंत्री से मिले तो मंत्री ने कह दिया कि देश में ऐसी व्यवस्था कहीं नहीं है।



जयराम ठाकुर ने कहा कि इन झूठी गारंटियों हम कांग्रेस को भूलने नहीं देंगे। जो कहा है, वह करना पड़ेगा। हिमाचल के लोगों को कांग्रेस द्वारा ठगने नहीं देंगे।

सदन में कंधे पर परने लटकाएर पहुंचे भाजपा विधायक

हुए पहुंचे। भाजपा विधायकों ने लगातार पांचवें दिन सदन की बैठक शुरू होने से पहले विधानसभा परिसर में कांग्रेस की गारंटियों पर अपना जोरदार प्रदर्शन जारी रखा। राज्य विधानसभा के गेट के बाहर भाजपा विधायक बोलियां और नारे लगाते रहे। इसके लिए सांकेतिक कार्टून यानी पेटियां लाकर और उनमें सेब भरकर भाजपा विधायक परिसर में पहुंचे। फिर यहां सेब की बोलियां लगाने लगे। भाजपा विधायकों ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सत्ता में आने से पहले बागवानों को गारंटी दी थी कि सेब के दाम वे खुद तय करेंगे, लेकिन यह गारंटी लागू नहीं हुई है। बागवानों को सेब नालों में बहाने की नीयत आ गई। हालांकि, सुबह प्रश्नकाल बगैर गतिरोध के चला।

## इमली घाट गेट पर खनन कारोबारियों ने किया प्रदर्शन

शांतिपुरी में इमलीघाट गेट पर धरना प्रदर्शन करते वाहन स्वामी



एजेंसी

शांतिपुरी। गौला संघर्ष समिति बैनर तले इमली घाट गेट पर ट्रैक्टर-ट्रॉली स्वामियों ने चार सूत्री मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रदेश सरकार की खनन निजीकरण नीति के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि सरकार की गौला खनन निजीकरण की नीति से लाखों लोगों का खनन से जुड़ा रोजगार पूरी तरह से प्रभावित होगा। बैंक से लोन

लेकर ट्रैक्टर-ट्रॉली चला रहे वाहन स्वामी बर्बाद हो जाएंगे। वाहनों की फिटनेस को पूर्व की भांति किया गया। समिति के इमली घाट अध्यक्ष कविंदर कोरंगा ने कहा कि गेट पर पूर्व की तरह कारोबास चलाने की मांग है।

चाहिए। सरकार गौला नदी को निजी हाथों में कर खनन से जुड़े सरकारी गेटों में रोजगार छीन रही है। फिटनेस का निजीकरण कर वाहन स्वामियों को दबाया गया है। जब तक उनकी मांग नहीं मानी जाती है जब तक इमली घाट गेट से खनन शुरू नहीं किया जाएगा। वहां पर भूधर बिष्ट, धुवन कफलटिया, पप्पू कोशथारी, इंदर बुडम, कपिल रावत, गोविंद दानू, जीवन गोसाईं, राजू राणा आदि मौजूद रहे।

## नवंबर में पूरे महीने छाया रहा सिलक्यारा सुरंग हादसा, एसडीसी ने जारी की 14वीं रिपोर्ट



संवाददाता

देहरादून। निर्माणाधीन सिलक्यारा-बड़कोट सुरंग में 41 मजदूर फंस गए थे। वहीं पिछले महीने सड़क हादसों में 14 की मौत हुई। 17 नवंबर को नैनीताल जिले की छीरखान-रीठासाहिब मोटर मार्ग पर पिकअप वाहन खाई में गिर गया था। सोशल डेवलपमेंट फॉर कम्युनिटी (एसडीसी) फाउंडेशन ने उत्तराखंड डिजास्टर एंड एक्सपेंडिट सिनोपिसिस (उदास) की 14वीं रिपोर्ट जारी की है। उदास नवंबर 2023 की रिपोर्ट में उत्तरकाशी

जिले के सिलक्यारा सुरंग हादसे के दिन प्रतिदिन का घटनाक्रम दर्ज किया गया है। 12 नवंबर को राष्ट्रीय राजमार्ग 134 पर निर्माणाधीन सिलक्यारा-बड़कोट सुरंग सुबह करीब 5:30 बजे ध्वस्त हो गई।

सुरंग में 41 मजदूर फंस गए थे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि पिछले महीने सड़क हादसों में 14 की मौत हुई। 17 नवंबर को नैनीताल जिले की छीरखान-रीठासाहिब मोटर मार्ग पर पिकअप वाहन खाई में गिर गया था। सोशल डेवलपमेंट फॉर कम्युनिटी (एसडीसी) फाउंडेशन ने उत्तराखंड डिजास्टर एंड एक्सपेंडिट सिनोपिसिस (उदास) की 14वीं रिपोर्ट जारी की है। उदास नवंबर 2023 की रिपोर्ट में उत्तरकाशी

# वीकेड के साथ क्रिसमस की छुट्टी सैलानियों से गुलजार हुए हिमाचल के पर्यटन स्थल

संवाददाता

शिमला। शिमला और मनाली के अलावा कसौली, चायल, धर्मशाला, किन्नौर और लाहौल-स्पीति में भी सैलानियों की आमद में भारी बढ़ोतरी हुई है। एक तो वीकेड और साथ में क्रिसमस की छुट्टियां। इसके चलते बड़ी संख्या में सैलानियों ने हिमाचल के पर्यटन स्थलों का रुख करना शुरू कर दिया है। शिमला और मनाली के अलावा कसौली, चायल, धर्मशाला, किन्नौर और लाहौल-स्पीति में भी सैलानियों की आमद में भारी बढ़ोतरी हुई है। क्रिसमस से पहले शुरू हुआ सैलानियों के हिमाचल पहुंचने का सिलसिला न्यू ईयर सैलिब्रेशन के

बाद जनवरी के पहले हफ्ते तक जारी रहने की उम्मीद है। क्रिसमस के लिए पर्यटन विकास निगम और निजी होटलों में कार्यक्रम शुरू हो गए हैं। शिमला का ऐतिहासिक रिज मैदान विंटर कार्निवाल के लिए शुक्रवार शाम को ही रांबिरी रोशनी से सज गया। सैलानियों ने रिज पर घूमने का जमकर लुफ्त उठया। मनाली में भी सैलानियों की भारी भीड़ उमड़ी। फेडरेशन ऑफ ऑल हिमाचल होटल एंड रेस्टोरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष गजेंद्र ठाकुर ने बताया कि क्रिसमस से पहले भारी संख्या में सैलानियों के हिमाचल आने का क्रम शुरू हो गया है। मानसून में आपदा के बाद पर्यटन कारोबार पटरी पर लौटने से



पर्यटन कारोबारी उसाहित हैं। नए साल के जश्न तक हिमाचल के पर्यटन स्थल सैलानियों से गुलजार

रहेंगे। कश्मीरी फूड फेस्टिवल के साथ गजल संघा का लुफ्त

शिमला के होटल हॉलीडे होम में पर्यटन विकास निगम ने सैलानियों के लिए कश्मीरी फूड फेस्टिवल का आयोजन किया है। यहां गजलों के साथ सैलानी कश्मीरी के परंपरागत रोगनजोश, गोशताबा, पनीर चमन, हॉक नदरू कोफता, कहवा का लुफ्त उठा सकते हैं। खास बात यह है कि इन

परंपरागत कश्मीरी व्यंजनों के लिए मसाले भी कश्मीर से मंगाए गए हैं। कश्मीरी व्यंजनों के अलावा सैलानियों को परंपरागत हिमाचली व्यंजन भी परोसने का इंतजाम है। कढ़ू का खट्टा, सेपू बड़ी, राजमाह मदरा के अलावा ऑन डिमांड सिद्धू धी परोसने की व्यवस्था की गई है। क्रिसमस से लेकर आगामी न्यू ईयर तक सैलानी इन व्यंजनों का लुफ्त उठा सकते हैं। शिमला-दिल्ली रूट पर टूरिज्म वोल्टो शुरू पर्यटन विकास निगम ने दिल्ली-मनाली के बाद शिमला-दिल्ली रूट पर भी वोल्टो सेवा शुरू कर दी है। यह वोल्टो शिमला से दिल्ली के लिए सुबह 8:30 बजे रवाना होगी और

शाम 5:00 बजे दिल्ली पहुंचेगी। दिल्ली से शिमला के लिए वोल्टो की रवानगी का समय रात 9:00 बजे तय किया गया है। सुबह 5:30 बजे वोल्टो शिमला पहुंचेगी। वोल्टो में प्रति सीट किराया 952 रुपये तय किया गया है। क्रिसमस, न्यू ईयर से पहले बड़ रहे सैलानी-अमित क्रिसमस और न्यू ईयर से पहले हिमाचल में सैलानी बढ़ना शुरू हो गए हैं। बर्फ के दीवार के लिए सैलानी उत्साहित हैं। पर्यटन निगम के होटलों में क्रिसमस, न्यू ईयर पार्टी के खास इंतजाम किए हैं। होटल हॉलीडे होम में कश्मीरी फूड फेस्टिवल आयोजित किया है। शिमला-दिल्ली रूट पर वोल्टो शुरू

कर दी गई है।- अमित कश्यप, प्रबंध निदेशक, पर्यटन विकास निगम 7 दिन में 38000 पर्यटक वाहन पहुंचे शिमला बीते एक सप्ताह में शिमला पहुंचने वाले पर्यटक वाहनों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। 15 दिसंबर से 21 दिसंबर के बीच करीब 38000 पर्यटक वाहन शिमला पहुंचे हैं। इस दौरान कुल 1,07,150 वाहनों ने आवाजाही की है। आने वाले दिनों में यह संख्या दोगुनी हो सकती है। पुलिस अधीक्षक शिमला संजीव कुमार गांधी ने बताया कि वाहनों की निर्बाध आवाजाही के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।



## कब और कैसे शुरू हुआ क्रिसमस ट्री सजाने का चलन? जानिए क्या है इसका महत्व

हर साल 25 दिसंबर को पूरी दुनिया में क्रिसमस का पर्व मनाया जाता है। क्रिसमस के पर्व पर प्रभु ईसा मसीह का जन्मदिन प्रेम व सद्भाव के साथ मनाया जाता है। इस दिन लोग केक काटकर क्रिसमस का आनंद उठाते हैं और एक दूसरे को उपहार भी देते हैं। हर साल 25 दिसंबर को पूरी दुनिया में क्रिसमस का पर्व मनाया जाता है। क्रिसमस के पर्व पर प्रभु ईसा मसीह का जन्मदिन प्रेम व सद्भाव के साथ मनाया जाता है। क्रिसमस ईसाई धर्म का एक प्रमुख त्योहार है, लेकिन समय के साथ इसे हर धर्म और वर्ग के लोग धूमधाम से मनाते लगे हैं। इस दिन लोग केक काटकर क्रिसमस का आनंद उठाते हैं और एक दूसरे को उपहार भी देते हैं। इस पर्व में केक और गिफ्ट के अलावा एक और चीज का विशेष महत्व होता है, वह

है क्रिसमस ट्री। क्रिसमस के पर्व पर लोग अपने घरों में क्रिसमस ट्री लगाते हैं। साथ ही इसे रंग-बिरंगी रोशनी और खिलौनों से सजाया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि क्रिसमस के पर्व पर क्रिसमस ट्री का इतना ज्यादा महत्व क्यों होता है? चलिए जानते हैं इसके बारे में रोचक कथा...

**क्रिसमस ट्री का इतिहास**

द र अ स ल

क्रिसमस ट्री को लेकर कई तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं। एक मान्यता के अनुसार 16वीं सदी के ईसाई धर्म के सुधारक मार्टिन लूथर ने इसकी शुरुआत की थी। मार्टिन लूथर 24 दिसंबर की रात को एक बर्फले जंगल से जा रहे थे, जहां उन्होंने एक सदाबहार के पेड़ को देखा। पेड़ की डालियां चांद की रोशनी से चमक रही थीं। इसके बाद मार्टिन लूथर ने अपने घर पर भी सदाबहार का पेड़ लगाया और इसे छोटे-छोटे कैंडल से सजाया। इसके बाद बाद उन्होंने जीसस क्रॉस्ट के जन्मदिन के सम्मान में भी इस सदाबहार के पेड़ को सजाया और इस पेड़ को कैंडल की रोशनी से प्रकाशित किया। मान्यता है कि तभी से क्रिसमस ट्री लगाने की परंपरा शुरू हुई।

### कुर्बानी की कहानी

क्रिसमस ट्री से जुड़ी एक अन्य कहानी 722 ईसवी की है। कहा जाता है कि सबसे पहले क्रिसमस ट्री को सजाने की परंपरा जर्मनी में शुरू हुई। एक बार जर्मनी के सेंट बोनिफेस को पता चला कि कुछ लोग एक विशाल ओक ट्री के नीचे एक बच्चे की कुर्बानी देंगे। इस बात की जानकारी मिलते ही सेंट बोनिफेस ने बच्चे को बचाने के लिए ओक ट्री को काट दिया। इसके बाद उसी ओक ट्री की जड़ के पास से एक फर ट्री या सनोबर का पेड़ उग गया। लोग इस पेड़ को चमत्कारी मानने लगे। सेंट बोनिफेस ने लोगों को बताया कि यह एक पवित्र देवीय वृक्ष है और इसकी डालियां स्वर्ग की ओर संकेत करती हैं। मान्यता है कि तब से लोग हर साल प्रभु यीशु के जन्मदिन पर उस पवित्र वृक्ष को सजाने लगे।

## 25 दिसंबर को ही क्यों मनाया जाता है क्रिसमस?

### जानिए इतिहास और महत्व



क्रिसमस के दिन लोग अपने घरों को सुंदर तरीके सजाते हैं और क्रिसमस ट्री लगाते हैं। साथ ही चर्च में जाकर प्रार्थना करते हैं और कैंडल जलाते हैं। इसके अलावा तमाम तरह के व्यंजन बनाकर और पार्टी करते हैं और केक काटकर इस त्योहार को मनाते हैं। हर साल 25 दिसंबर को क्रिसमस मनाया जाता है। यह ईसाई धर्म का प्रमुख पर्व है। इस पर्व को भारत समेत पूरी दुनिया में धूमधाम से मनाया जाता है। क्रिसमस का पर्व ईसाई धर्म के संस्थापक प्रभु यीशु के जन्म दिवस के रूप में मनाया जाता है। क्रिसमस के दिन लोग अपने घरों को सुंदर तरीके सजाते हैं और क्रिसमस ट्री लगाते हैं। साथ ही चर्च में जाकर प्रार्थना करते हैं और कैंडल जलाते हैं। इसके अलावा तमाम तरह के व्यंजन बनाकर और पार्टी करते हैं और केक काटकर इस त्योहार को मनाते हैं। वहीं छोटे बच्चों को इस

दिन अपने सांता क्लॉज का इंतजार रहता है। इस दिन बच्चों को चॉकलेट्स और गिफ्ट्स मिलते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं कि हर साल 25 दिसंबर को ही क्रिसमस का पर्व क्यों मनाया जाता है और इसके पीछे की मान्यता क्या है...

**क्रिसमस क्यों मनाया जाता है?**  
ईसाई धर्म की मान्यता के अनुसार प्रभु यीशु मसीह का जन्म 25 दिसंबर को हुआ था, जिसकी

वजह से इस दिन को क्रिसमस के तौर पर मनाया जाता है। यीशु मसीह का जन्म मरियम के घर हुआ था। मान्यता है कि मरियम को एक सपना आया था। इस सपने में उन्हें प्रभु के पुत्र यीशु को जन्म देने की भविष्यवाणी की गई थी। इस सपने के बाद मरियम गर्भवती हुईं और गर्भावस्था के दौरान उनको बेथलहम में रहना पड़ा। कहा जाता है कि एक दिन जब रात ज्यादा हो गई, तो मरियम को रुकने के लिए कोई सही

जगह नहीं देखी। ऐसे में उन्होंने एक ऐसी जगह पर रुकना पड़ा जहां पर लोग पशुपालन किया करते थे। उसी के अगले दिन 25 दिसंबर को मरियम ने यीशु मसीह को जन्म दिया। यीशु मसीह के जन्म स्थल से कुछ दूरी पर कुछ चरवाहे भेड़ चरा रहे थे। कहा जाता है कि भगवान स्वयं देवदूत का रूप धारण कर वहां आए और उन्होंने चरवाहों से कहा कि इस नगर में एक मुक्तिदाता का जन्म हुआ है वही स्वयं भगवान ईसा हैं। देवदूत की बात पर यकीन करके चरवाहे उस बच्चे को देखने गए। देखते ही देखते बच्चे को देखने वालों की भीड़ बढ़ने लगी। लोगों का मानना था कि यीशु ईश्वर का पुत्र है और ये कल्याण के लिए पृथ्वी पर आया है। मान्यता ये भी है कि प्रभु यीशु मसीह ने ही ईसाई धर्म की स्थापना की थी। यही वजह है कि 25 दिसंबर को क्रिसमस के त्योहार के रूप में मनाया जाता है।

## क्यों निलंबित हुआ संजय सिंह की अध्यक्षता वाला कुश्ती संघ?

### खेल मंत्रालय के फैसले की क्या है वजह

कुश्ती संघ के चुनाव होने के बाद माना जा रहा था कि एक साल से चला आ रहा विवाद अब खत्म होगा। नए अध्यक्ष लंबे समय तक संघ का कामकाज देखेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आइए जानते हैं कि क्यों संजय सिंह की अध्यक्षता वाले कुश्ती संघ को निलंबित किया गया है। भारतीय कुश्ती संघ के निलंबन के बाद इस खेल से जुड़े कामकाज देखने के लिए खेल मंत्रालय ने भारतीय ओलंपिक संघ से तदर्थ समिति बनाने को कहा है। यही समिति भारतीय पहलवानों से जुड़े सारे फैसले लेगी और उम्मीद है कि

आने वाले समय में नए सिरे से चुनाव होने के बाद नए अध्यक्ष की अगुआई में कुश्ती संघ का पुनर्गठन होगा। 21 दिसंबर को कुश्ती संघ के चुनाव होने के बाद माना जा रहा था कि एक साल से चला आ रहा विवाद अब खत्म होगा। नए अध्यक्ष लंबे समय तक संघ का कामकाज देखेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आइए जानते हैं कि क्यों संजय सिंह की अध्यक्षता वाले कुश्ती संघ को निलंबित किया गया है। खेल मंत्रालय ने संजय सिंह के नेतृत्व वाले भारतीय कुश्ती संघ के संविधान का उल्लंघन पाए जाने के

बाद इसे निलंबित किया है। संजय सिंह को जल्दबाजी में लिए गए फैसले का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है, जो उन्होंने सत्ता में आते ही लिया था। संजय सिंह के नेतृत्व वाले प्रशासनिक निकाय ने बिना पूर्व सूचना दिए गुरुवार को अंडर-15 और अंडर-20 नेशनल की घोषणा की और इसका आयोजन 28-30 दिसंबर तक नंदिनी नगर, गोंडा, उत्तर प्रदेश में निर्धारित किया गया। खेल मंत्रालय ने पूरे मामले पर गंभीरता से विचार करने के बाद आवश्यक कार्रवाई की है। खेल मंत्रालय ने बताया - डब्ल्यूएफआई



के संविधान की प्रस्तावना के खंड 3 (ई) के अनुसार, डब्ल्यूएफआई का उद्देश्य, कार्यकारी समिति द्वारा चयनित स्थानों पर यूडब्ल्यूएफआई नियमों के अनुसार सीनियर, जूनियर और सब जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप आयोजित करने की व्यवस्था करना है। इस तरह के निर्णय कार्यकारी

समिति द्वारा लिए जाते हैं, जिसके समक्ष एजेन्डा को विचार के लिए रखा जाना आवश्यक होता है। डब्ल्यूएफआई संविधान के अनुच्छेद 3 के अंतर्गत, ईसी बैठक के अनुसार, ईसी बैठक के अनुसार, न्यूनतम नोटिस अवधि 15 वर्ष है। यहां तक कि आपातकालीन ईसी बैठक के लिए भी न्यूनतम नोटिस अवधि सात दिन है और इसमें एत तिहाई सदस्यों का शामिल होना जरूरी है। इसके अलावा, खेल मंत्रालय ने यह भी पाया है कि डब्ल्यूएफआई के महासचिव गोंडा

के नंदिनी नगर में अंडर-15 और अंडर-20 नेशनल को अंतिम रूप देने वाली कार्यकारी समिति की बैठक में शामिल नहीं थे। प्रेस विज्ञप्ति में यह भी दर्शाया गया है कि अनुपम ठाकुर के नेतृत्व वाले खेल मंत्रालय ने पाया है कि नवनिर्वाचित डब्ल्यूएफआई खेल संहिता की पूरी तरह से अवहेलना करते हुए पूर्व पदाधिकारियों के पूर्ण नियंत्रण में प्रतीत होता है और फेडरेशन का कामकाज पूर्व पदाधिकारियों द्वारा नियंत्रित परिसर से चलाया जा रहा है। यह कथित परिसर भी है जिसमें खिलाड़ियों के यौन उत्पीड़न का

आरोप लगाया गया है और वर्तमान में अदालत इस मामले की सुनवाई कर रही है। भारतीय कुश्ती संघ के नवनिर्वाचित कार्यकारी निकाय द्वारा लिए गए निर्णय स्थापित कानूनी और प्रक्रियात्मक मानदंडों के प्रति घोर उपेक्षा दर्शाते हैं, जो डब्ल्यूएफआई के संवैधानिक प्रावधानों और राष्ट्रीय खेल विकास संहिता दोनों का उल्लंघन करते हैं। कार्यवाही अध्यक्ष की ओर से पूर्ण मनमानी की बू आती है, जो सुशासन के स्थापित सिद्धांतों के खिलाफ है और पारदर्शिता और उचित प्रक्रिया से रहित है। निष्पक्ष खेल, पारदर्शिता

और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए शासन मानदंडों का पालन महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से, खेल की सर्वोच्च शासी निकाय यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने अभी तक डब्ल्यूएफआई के निलंबन को देखने के लिए आधिकारिक सूचना जारी नहीं की है और खेल मंत्रालय ने डब्ल्यूएफआई को अगले आदेश तक अपनी सभी गतिविधियों को निलंबित करने का निर्देश दिया है। गौरतलब है कि यूडब्ल्यूएफआई ने समय पर चुनाव नहीं कराने के कारण अगस्त में डब्ल्यूएफआई पर प्रतिबंध लगा दिया था।

## हैदराबाद के इन बाजारों में खरीद सकते हैं अपनी पसंद का हर सामान, एक बार जरूर जाएं



हैदराबाद का चारनार हर साल हजारों पर्यटकों को अपने आकार और भव्यता से विस्मित करने के लिए आकर्षित करता है। इसके साथ ही यह शहर शॉपिंग के लिए भी एक बेहद लोकप्रिय स्थान है। हैदराबाद में आप घरेलू सामान से लेकर महंगी ज्वेलरी तक, सब कुछ खरीद सकते हैं। सुल्तानों के शहर के रूप में मशहूर हैदराबाद अपनी हैदराबादी बिरयानी के लिए विश्व प्रसिद्ध है। हैदराबाद का चारनार हर साल हजारों पर्यटकों को अपने आकार और भव्यता से विस्मित करने के लिए आकर्षित करता है। इसके साथ ही यह शहर शॉपिंग के लिए भी एक बेहद लोकप्रिय स्थान है। हैदराबाद में आप घरेलू सामान से लेकर महंगी ज्वेलरी तक, सब कुछ खरीद सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको हैदराबाद के

लोकप्रिय बाजारों के बारे में बताने जा रहे हैं हैदराबाद में सबसे बड़े और सबसे पुराने बाजारों में से एक बेगम बाजार, हैदराबाद में खरीददारी के लिए सबसे अच्छे स्थानों में से एक है। इस बाजार में खुदरा और थोक दोनों दुकानें हैं जहाँ आप घरेलू वस्तुओं, सूखे मेवे, तंबाकू, कपड़ों के सामान, जूते, इत्र आदि विभिन्न प्रकार की वस्तुओं की खरीददारी कर सकते हैं। हालांकि बेगम बाजार मुख्य रूप से बिंदरीवेयर और बीदरी जड़ित गहनों के लिए जाना जाता है। बता दें कि बिंदरी का काम एक प्राचीन धातु हस्तशिल्प कला रूप है जिसमें धातु को अधिक चमक देने के लिए एक जेट मिश्र धातु के साथ चांदी को जड़ना शामिल है। लाइ बाजार हैदराबाद में स्ट्रीट शॉपिंग के लिए सबसे लोकप्रिय बाजारों में से एक है। माना जाता है कि यह बाजार

लगभग 200 साल पहले स्थापित किया गया था। यह बाजार मुख्य रूप से चूड़ियों के विशाल संग्रह के लिए जाना जाता है और इसे 'चूड़ी बाजार' नाम दिया गया है। चूड़ियों के अलावा आप मोती, गहने, अर्ध-कीमती पत्थर, चांदी के बर्तन,

बीदरी के बर्तन, हस्तशिल्प, कलमकारी, रेशम, इत्र और बहुत कुछ खरीद सकते हैं। फ़ैब्रिक, कुर्तियां, सलवार कमीज, कैजुअल फुटवियर और जंक ज्वेलरी के अलावा अन्य चीजों की तलाश के लिए लगभग

शहर की संकरी गलियों में नहीं मिलता है, तो किसी भी दुकानदार या रेहड़ी-पटरी वाले से पूछें और वे आपको बताएंगे कि इस प्रसिद्ध बाजार तक कैसे पहुंचा जाए। जुमेरत बाजार, जिसे चार बाजार के नाम से भी जाना जाता है,

## आर माधवन की फिल्म रॉकेट्री की रिलीज डेट जारी, दिखेगा नाबी नारायणन की जिंदगी का सच

द नाबी इफेक्ट लंबे समय से सुर्खियों में है। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है और हो भी क्यों ना, इसके जरिए मशहूर साइंटिस्ट नाबी नारायणन के जीवन की सच्चाई जो दर्शकों के बीच आने वाली है। अब फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है। खुद माधवन ने अपनी इस फिल्म की रिलीज का ऐलान किया है। माधवन ने इंस्टाग्राम पर इस फिल्म का एक पोस्टर साझा किया है। इसे लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए उन्होंने लिखा, हमें यह जानकारी देते हुए बहुत खुशी हो रही है कि फिल्म रॉकेट्री-द नाबी इफेक्ट को अगले साल 1 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। उन्होंने आगे लिखा, हमने इस फिल्म को बहुत प्यार और समर्पण के साथ बनाया है और आपने जो अब तक हमें प्यार दिया है, उसके लिए मैं आप सभी का आभारी हूँ। माधवन ना सिर्फ इस फिल्म में एक्टिंग कर रहे हैं, बल्कि उन्होंने इस फिल्म की कहानी भी लिखी है और इसके निर्माता-निर्देशक भी माधवन ही हैं। 1 अप्रैल, 2021 को फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था, जो दर्शकों को बेहद पसंद आया था। एक्शन से भरपूर इस ट्रेलर में आर माधवन का एक अलग अंदाज दिखा था।

## बच्चे को नहीं करवा पा रही हैं फीड तो डाइट में शामिल करें ये चीजें, बढ़ेगा ब्रेस्ट मिल्लक



कई महिलाओं में कुछ कारणों से स्तन में दूध ठीक से नहीं बन पाता है और दूध की कमी हो जाती है जिससे माँ और बच्चे दोनों को समस्या होती है। ऐसी महिलाओं को अपने खान-पान और जीवनशैली का खास ध्यान रखना चाहिए क्योंकि यदि स्तनपान के बिना बच्चे का पोषण अधूरा रह जाएगा। हर नवजात शिशु के लिए माँ का दूध ही बेस्ट माना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार भी 6 महीने तक बच्चे को सिर्फ माँ का दूध ही पिलाना चाहिए। इससे बच्चे को सही पोषण मिलता है और उसके शरीर में कई बीमारियों से लड़ने की क्षमता भी बढ़ती है। ब्रेस्टफीड यानि स्तनपान कराने से माँ और बच्चे के बीच एक मजबूत डेर बंध जाती है जो दोनों को भावनात्मक तौर पर जोड़े रखती है। लेकिन कई महिलाओं में कुछ कारणों से स्तन में दूध ठीक से नहीं बन पाता है और दूध की कमी हो जाती है जिससे माँ और बच्चे दोनों को समस्या होती है। ऐसी महिलाओं को अपने खान-पान और जीवनशैली का खास ध्यान रखना चाहिए क्योंकि यदि स्तनपान के बिना बच्चे का पोषण अधूरा रह जाएगा। आज के इस लेख में हम आपको स्तन में दूध बढ़ाने के कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताने जा रहे हैं जो दादी-नानी के जमाने से इस्तेमाल होते चले आ रहे हैं। इस लेख में हम कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताएंगे जिनके इस्तेमाल से आपका स्तन में दूध की कमी की समस्या में मदद मिलेगी। ओटमील एक बहुत ही अच्छा एनर्जी स्रोत है।

जंरूर शामिल करनी चाहिए। जिन महिलाओं में ब्रेस्ट मिल्लक कम बनता है उनके लिए शतावरी का सेवन बहुत लाभकारी होता है। इसमें मौजूद फाइबर, विटामिन-ए और विटामिन-के ब्रेस्ट मिल्लक बढ़ाने में मदद करते हैं। नई माँ में ब्रेस्ट मिल्लक बढ़ाने के लिए गाय का दूध पीना बहुत फायदेमंद होता है। गाय के दूध में प्रोटीन, कैल्शियम, पोर्टेशियम और विटामिन जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। जिन महिलाओं में ब्रेस्ट मिल्लक कम बनता हो उन्हें रोजाना गाय के दूध का सेवन करना चाहिए। स्तनपान कराने वाली महिलाओं को अपनी डाइट में हरी पत्तेदार सब्जियां जरूर शामिल करनी चाहिए। इनमें मौजूद आयरन, कैल्शियम और फोलेट स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। इसके साथ ही इनमें बीटाकैरोटीन और इन्डोलेफ्लेविन जैसे पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं जो ब्रेस्ट मिल्लक बढ़ाने में मदद करते हैं। अपने खाने में हरी पत्तेदार सब्जियां पालक, मेथी, सरसों और बथुआ आदि शामिल करें। आमतौर पर खाने में मसाले के तौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले जीरा नई माँ में ब्रेस्ट मिल्लक बढ़ाने में मदद करते हैं। दूध की आपूर्ति बढ़ाने की भी बहुत मददगार होता है। इसमें कैल्शियम और राइबोफ्लेविन पाया जाता है जो पेट संबंधी परेशानियों को दूर करता है। तिल के बीज कैल्शियम का एक अच्छा स्रोत है। स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए कैल्शियम एक जरूरी पोषक तत्व है। जिन महिलाओं में दूध कम बनता है उन्हें तिल का सेवन करना चाहिए। शायद यही कारण है कि नई माँ को तिल के लड्डू खिलाए जाते हैं। दाल प्रोटीन का एक बहुत अच्छा स्रोत होती है। इसमें आयरन और फायबर की भी पर्याप्त मात्रा पाई जाती है। नई माताओं में दूध की कमी पूरी करने के लिए दाल का सेवन करना फायदेमंद रहता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेशन्स, आषा कामल्ले से, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एवं पहला तल, निधि कामल्लेक्स, विकास नगर लखनऊ (30800) से प्रकाशित। RNI No. UPHIN/2015/6090 सम्पादक- विवेक श्रीवास्तव, फोन नं०- 8004949556, 7570901365 Email. info@theachievertimes.com किसी भी वाद विवाद का निस्तारण लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।

समाचार-पत्र का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टाचार समाजिक बुराइयों एवं कुटीरियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।